राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 28 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-206 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनआईटी-दिल्ली में प्रोजेक्ट अटेंडेंट सहित कई पदों पर नियुक्ति के अवसर,11 सितंबर को वॉक-इन इंटरव्यू

नई दिल्ली।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) में नौकरी करना हजारों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, तो आपके लिए एनआईटी-दिल्ली ने प्रोजेक्ट अटेंडेंट सहित विभिन्न 10 पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी करके वैकेंसी की घोषणा की है।

एनआईटी-दिल्ली की ओर से जारी 10 रिक्तियों में सीनियर प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट के 5, जूनियर प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट के 4 और प्रोजेक्ट अटेंडेंट का 1 पद शामिल हैं। इन सभी पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन वॉक-इन इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पोस्ट के अनुसार 20,160 से 42,600 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसके अलावा कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

वहीं, संबंधित पदों पर चुने गए अभ्यर्थियों की पोस्टिंग दिल्ली/बरेली/बीकानेर में होगी। इंटरव्यू में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान/विश्वविद्यालय से सीनियर प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट पद के लिए इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल/सिविल में बीटेक, जूनियर प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट के लिए इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल/सिविल में डिप्लोमा या उसके बराबर या उससे ऊपर और प्रोजेक्ट अटेंडेंट के लिए 10वीं पास का सर्टिफिकेट होना जरूरी है। इसके अलावा कैंडिडेट्स के पास पद के अनुसार निर्धारित 1 से 5 वर्षों का अनुभव प्रासंगिक क्षेत्र में होना चाहिए। वॉक-इन इंटरव्यू 11 सितंबर को सुबह 10.30 बजे से सिविल इंजीनियरिंग विभाग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली (एनआईटी-दिल्ली) के पते पर आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में जो उम्मीदवार साक्षात्कार में शामिल होने वाले हैं, उन्हें समय से केंद्र पर पहुंचने के अलावा अपने साथ भरे हुए आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी के साथ सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स की मूल और फोटोकॉपी को साथ ले जाने की सलाह दी जाती है।

आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले एनआईटी-दिल्ली की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

होमपेज पर जाने के बाद संबंधित पोस्ट के लिए जारी अधिसूचना लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद नोटिफिकेशन में दिए गए एप्लीकेशन फॉर्म को डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट निकाल लें। फिर फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियों को दर्ज करें और याद से इंटरव्यू के दिन अपने साथ ले जाएं।

बता दें कि एनआईटी-दिल्ली की ओर से इन पदों पर नियुक्ति 12 माह या प्रोजेक्ट पूरे होने तक इसे बढ़ाया जा सकता है।

पहला कॉलम

संसद का विशेष सत्र या एक और बैठक की संभावना हुई तेज?

किरेन रिजिजू बोले- सत्रावसान नहीं हुआ, सरकार जब चाहे बुला सकती है

नई दिल्ली।

संसद के मॉनसून सत्र के बाद एक और बैठक या विशेष सत्र बुलाए जाने की संभावनाओं को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐसी संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया है बल्कि उन्होंने यह कहकर कि संसद का सत्र अभी औपचारिक रूप से सत्रावसित नहीं हुआ है, बल्कि दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया है। ऐसे में सरकार जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति से संसद की बैठक बुलाने का अनुरोध कर सकती है। दरअसल मंत्री रिजिजू से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया था, कि क्या सरकार कोई अतिरिक्त बैठक या विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है? इस पर उन्होंने कहा कि संसद बुलाने का निर्णय सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। उनके मुताबिक, जब सदन का सत्रावसान नहीं हुआ हो, तब उसे दोबारा बुलाया जा सकता है। हालांकि, विशेष सत्र बुलाए जाने के सीधे सवाल पर रिजिजू ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, ÷नहीं, मैं इसका जवाब नहीं दूंगा।÷ मतलब शगूफा भी छोड़ दिया और पल्ला भी झाड़ लिया की तर्ज पर उन्होंने गोल-मोल जवाब दे दिया। संसद की एक और बैठक की संभावना पर उन्होंने यही कहा कि उनके बयान को दोनों तरह से समझा जा सकता है। मंत्री रिजिजू ने अपने बयान के समर्थन में संसदीय इतिहास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1952 के बाद कई ऐसे अवसर आए हैं, जब संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया, लेकिन उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ और बाद में सदन की बैठक फिर से बुलाई गई। यहां बताते चलें कि संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। हालांकि, इसके बाद भी औपचारिक सत्रावसान की घोषणा नहीं की गई, जिस वजह से सरकार के अगले कदम को लेकर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं। विपक्ष ने उठाए सवाल विपक्ष की नजर खास तौर पर परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर है।

प्रतापगढ़ में क्करूकिसान सम्मान निधि योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा, 60 करोड़ के घोटाले में स्नङ्घक्रदर्ज

प्रतापगढ़

जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। दिनांक 26.08.2026 को साइबर क्राइम पुलिस थाना प्रतापगढ़ पर उप कृषि निदेशक की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि तहसील कुण्डा की आईडी/लॉगिन का दुरुपयोग कर संगठित रूप से अपात्र व्यक्तियों, नाबालिगों तथा जनपद/प्रदेश से बाहर के व्यक्तियों के हजारों संदिग्ध एवं फर्जी पंजीकरण कराये गये। पुलिस के अनुसार, इन फर्जी पंजीकरणों के माध्यम से शासकीय पोर्टल का दुरुपयोग कर पात्रता के विपरीत सरकारी धनराशि का भुगतान कराया गया है। प्रारंभिक जांच में लगभग 03 लाख लाभार्थियों द्वारा धोखाधड़ीपूर्वक योजना का लाभ लेने की बात सामने आई है, जिससे लगभग 60 करोड़ रुपये से अधिक की शासकीय धनराशि के दुरुपयोग/क्षति की आशंका है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री दीपक भूकर ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी और इस फर्जीवाड़े में शामिल सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

जबलपुर में 472 करोड़ से ञ्ज-72 टैंकों की ओवरहॉलिंग

राजनाथ बोले- ड्रोन-मिसाइल के दौर में भी टैंक जरूरी; CM मोहन यादव मौजूद

जबलपुर ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में T-72 टैंक ओवरहॉल परियोजना का भूमिपूजन किया। करीब 472 करोड़ रुपए की लागत से यहां भारतीय सेना के T-72 टैंकों की मरम्मत, जांच और तकनीकी अपग्रेड के लिए सुविधा तैयार की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जबलपुर में हर साल 80 टैंकों का होगा ओवरहॉल..नई सुविधा के तहत व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में हर साल 80 T-72 और T-90 टैंकों के ओवरहॉल की अतिरिक्त क्षमता विकसित की जाएगी।

भारतीय सेना को हर साल करीब 230 T-Series टैंकों के ओवरहॉल की जरूरत होती है। अभी हेवी व्हीकल फैक्ट्री , अवाडी में करीब 150 टैंकों के ओवरहॉल की क्षमता है। जबलपुर की 80 टैंकों की अतिरिक्त क्षमता जुड़ने के बाद कुल क्षमता 230 टैंक प्रतिवर्ष हो जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट में दो T-72 टैंकों का ओवरहॉल.............

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने नई परियोजना से पहले T-72 टैंकों के ओवरहॉल का पायलट प्रोजेक्ट किया था। फैक्ट्री ने दो T-72 टैंकों का ओवरहॉल पूरा कर उन्हें भारतीय सेना को सौंपा। इस दौरान टैंकों की तकनीकी जांच, मरम्मत और आवश्यक पुर्जों को बदलने का काम किया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट में जजों का विवाद-जज संजीव ने हाईकोर्ट सीजेआई को दिया नोटिस

सूर्यकांत ने कहा- इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाए

नई दिल्ली।

राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। जस्टिस शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को चिट्ठी लिखी है। इसमें जस्टिस संजीव प्रकाश पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाना चाहिए। जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखे तीन अलग-अलग पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश के अधीन गंभीर प्रशासनिक अनियमितताएं होने और चुनिंदा मामलों को सूचीबद्ध किए जाने का आरोप लगाया है। देश की सर्वोच्च अदालतों के जजों के बीच इस विवाद ने एक पुराने मामले का याद ताजा कर दी है। उस विवाद में एक जज की गिरफ्तारी तक की नौबत आ गई थी। मामला 2016 का है। साल 2016 में न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के बीच अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मामला मद्रास हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस सीएस कर्णन से जुड़ा था। उन्होंने तत्कालीन सीजेआई टीएस ठाकुर की ओर से अपने तबादले की

सिफारिश को ही रोकने का आदेश जारी कर दिया था। दरअसल, जस्टिस कर्णन का तबादला मद्रास हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई थी। 12 फरवरी 2016 को उन्हें इस संबंध में प्रस्ताव मिला, लेकिन जस्टिस कर्णन इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने 15 फरवरी को एक आदेश जारी किया था इसमें उन्होंने सीजेआई की ओर से उनके तबादले की सिफारिश पर ही रोक लगा दी। यह मामला इसलिए असाधारण था क्योंकि एक हाईकोर्ट के मौजूदा जज ने देश के प्रधान न्यायाधीश के प्रशासनिक फैसले पर ही सवाल खड़ा कर दिया था।

कुलगाम में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 5 आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

बुगाम बाग इलाके में तलाशी अभियान के दौरान 4 पिस्तौल, मैगजीन, 22 राउंड और 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

कुलगाम।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकवाद के खिलाफ अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। बुगाम बाग इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने पांच कथित आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। अधिकारियों ने मीडिया को बताया है, कि यह संयुक्त अभियान कुलगाम पुलिस, 9 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 18वीं बटालियन ने चलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से चार 9 एमएम पिस्तौल, चार मैगजीन, 22 राउंड गोला-बारूद और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क और उनके सहयोगियों के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। अधिकारियों ने बरामद हथियारों और गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में आगे की जांच शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि गिरफ्तार आरोपियों का आतंकियों से किस तरह का संपर्क था और बरामद हथियारों का इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया जाना था। इसके अलावा सुरक्षा एजेंसियां उनके नेटवर्क और संभावित अन्य सहयोगियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही हैं।

नेपाल संकटः भारत ने फिर भेजी 35 टन राहत सामग्री, रेस्क्यू के लिए हेलीकॉप्टर भी हैं तैयार

पहली खेप बुधवार को 10 टन मानवीय सहायता और मेडिकल सामान पहुंचाया था

नई दिल्ली।

नेपाल में तिब्बत सीमा के पास आई भीषण तबाही के बाद भारत ने राहत और बचाव के लिए मदद तेज कर दी है। भारत ने गुरुवार सुबह दिल्ली के हिंडन एयरबेस से सी-17 सैन्य परिवहन विमान से 35 टन राहत सामग्री नेपाल भेजी है। विमान सुबह करीब 9 बजे रवाना हो गया। यह राहत अभियान भारत की तरफ से भेजी जा रही अतिरिक्त मानवीय सहायता का हिस्सा है।

बता दें इससे पहले भारत ने बुधवार रात को ही राहत सामग्री की पहली खेप नेपाल भेजी थी। भारतीय वायुसेना के सी-130जे विमान से करीब 10 टन मानवीय सहायता और जरूरी मेडिकल सामान काठमांडू पहुंचाया। इसमें अस्थायी आश्रय, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप और दवाइयां शामिल थीं। नेपाल में आई फ्लैश फ्लड से अब तक कम से कम 163 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बड़ी संख्या में लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें ज्यादातर भारतीय हैं। बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से जुड़े इलाकों में भारी तबाही मचाई है। कई जगह सड़क, पुल और दूसरी बुनियादी सुविधाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहत सामग्री भेजने से पहले पीएम मोदी ने नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह से फोन पर बात की थी। पीएम मोदी ने नेपाल के लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए हर संभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की टीमें नेपाल में राहत और बचाव प्रयासों के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय कर रही हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारत ने नेपाल के लिए 10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री के साथ जरूरी दवाइयां भी भेजी हैं। भारतीय वायुसेना ने बताया कि सी-17 और सी-130 विमानों के

जरिए आगे भी राहत सामग्री भेजी जाएगी। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर हेलीकॉप्टरों को रेस्क्यू और इवैक्यूएशन ऑपरेशन के लिए तैयार रखा गया है। नेपाल में भारतीय दूतावास भी राहत प्रयासों में सहयोग कर रहा है। बुधवार को भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री खड्का राज पौडेल को 10 टन मानवीय सहायता सामग्री सौंपी। भारत ने साफ किया है कि इस मुश्किल वक्त में वह नेपाल के साथ खड़ा है और राहत एवं बचाव के लिए हर संभव मदद जारी रखेगा।

ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस हादसे में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट में सवार पायलट और को-पायलट की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्लेन क्रैश की यह दुर्घटना कानपुर के गंगा बैराज के पास हुई है। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुआ ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट गर्ग एविएशन का था। गुरुवार को गंगा बैराज के पास यह विमान हादसे का शिकार हो गया। कानपुर के नत्था खेड़ा इलाके में गंगा बैराज के पास ट्रेनिंग विमान क्रैश होने की सूचना इलाके के लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। हादसे की सूचना पाकर कानपुर के चीफ फायर अफसर भी मौके पर पहुंच गए।

फायर ब्रिगेड की टीम के साथ ही इमरजेंसी सर्विस कानपुर नगर की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

क्रैश एयरक्राफ्ट के मलबे से दो लोगों को गंभीर हालत में रेस्क्यू किया गया। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उनको मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में जान गंवाने वाले दोनों ही ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट में सवार पायलट और को-पायलट बताए जा रहे हैं।

मुझे युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा, आपकी भागीदारी ही भारत की शक्ति

खेलो इंडिया डायलॉग में पीएम मोदी ने देश के युवा एथलीटों को किया संबोधित

नई दिल्ली।

खेलो इंडिया डायलॉग-खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' के तहत पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वर्चुअल देश भर के युवा एथलीटों को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि आप सभी ने शानदार तरीके से खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया है। इसके लिए बधाई। इस कार्यक्रम से जुड़े केंद्रीय मंत्रीमंडल के मेरे साथी, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के मंत्री, संसद में मेरे साथी। माय भारत के लाखों स्वंयसेवकों का मैं अभनिंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस है। मैं खेल जगत से जुड़े साथियों और युवाओं को खेल दिवस की शुभकामना देता हूं। यह दिन मां भारती की एक महान संतान मेजर ध्यानचंद को याद करने का भी है। 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड दौरे पर थी। उस दौरे पर ध्यानचंद भी गए थे। वो दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंध के 100 साल पूरे होने का आधार है। कुछ दिन पहले मैं न्यूजीलैंड की यात्रा पर था और उस समय भी मैंने मेजर ध्यानचंद को याद किया था। उन्होंने जिन रिश्तों की नींव रखी थी, आज भारत उन्हीं रिश्तों को समृद्ध बनाने के लिए कार्य कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि मैंने 15 अगस्त को लालकिले से भारत का स्पोर्ट्स विजन देश के सामने रखा था। मैं जब खेल की बात करता हूं, तो यह केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है। यह विकसित भारत के निर्माण में, भारत की खेल शक्ति और भारत की युवा शक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। मैं हमेशा कहता हूं कि जो खेले वो खिले। खेल में खिलना सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है। खेल में खिलना मतलब व्यक्तित्व का खिलना है, परिवार का खिलना है और देश का गौरव बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जब कोई खिलाड़ी सफल होता है, तो उसकी सफलता से उसके परिवार की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ती है, जिस स्कूल और कॉलेज में वह पढ़ता है, उसकी प्रतिष्ठा बढ़ती है। उस जिले और राज्य की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ती है। दुनिया उस खिलाड़ी की वजह से उसके जिले और राज्य को पहचानने लगती है। ऐसी अनेक सफलताएं लेकर कोई क्षेत्र वैश्विक खेल मानचित्र पर चमकता है, तो दुनिया का उस शहर को देखने का नजरिया बदल जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि इस कार्यक्रम में देश के सैकड़ों जिलों के खिलाड़ी जुड़े हुए हैं। हर जिले में दुनिया के मानचित्र पर चमकने की ताकत है। इस ताकत को समझते हुए ही हमें इस संवाद कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है। ओलंपिक में जितने भी खेल होते

हैं, हम उसमें से आधे खेलों में हिस्सा नहीं लेती। पदक के एक बड़े हिस्से के लिए हम प्रतियोगिता ही नहीं करते। दशकों से ऐसा ही चला आ रहा है। 2012 ओलंपिक में भारत ने सिर्फ 13 खेलों में हिस्सा लिया था।

बदलते समय का रक्षाबंधन

(लेखक- डॉ. सत्यवान सौरभ)

> यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है।

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा है—साथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है—जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है।

भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है।

रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथा—राखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी।

लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि 'रक्षा' अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है।

सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं—'मैं भी तेरी रक्षा करूँगी।' यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं।

तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर-दराज के शहरों में रहने वाले भाई-बहन भले शारीरिक रूप से एक-दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है।

कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं।

उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैं—'भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिए; फुर्सत चाहिए; समझ चाहिए।'

यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है।

परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ था—'भाई बहन की रक्षा करेगा।' आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है।

इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देता है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा विकसित हुई है। बच्चे और महिलाएँ वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश देते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है; प्रकृति भी हमारी देखभाल और संरक्षण की हकदार है। इसी तरह सैनिकों को राखी भेजना देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त करता है।

रक्षाबंधन का यह बदलता स्वरूप लैंगिक भूमिकाओं की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती देता है। बहनें अब केवल 'रक्षा की याचक' नहीं हैं; वे स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिक हैं। अनेक परिवारों में बहनें अपने भाइयों की आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह बदलाव बताता है कि रक्षाबंधन धीरे-धीरे पौरुष और स्त्रीत्व के पारंपरिक साँचों से बाहर निकलकर मानवीय मूल्यों और समानता के धरातल पर खड़ा हो रहा है।

आज के व्यस्त जीवन में भावनाओं की अभिव्यक्ति के तरीके भले बदल गए हों, लेकिन उनकी आवश्यकता कम नहीं हुई है। भाई-बहन अब केवल राखी के दिन ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष एक-दूसरे के जीवन में सहयोगी बने रहते हैं। रक्षाबंधन उन रिश्तों को फिर से महसूस करने का अवसर है, जिनमें कभी बचपन के झगड़े होते हैं, कभी नाराज़गी, कभी हँसी और कभी अपार स्नेह।

इस अर्थ में रक्षाबंधन हमें याद दिलाता है कि रिश्ते केवल बनाए नहीं जाते, उन्हें निभाया जाता है।

रक्षाबंधन का सामाजिक स्वरूप भी व्यापक हुआ है। यह पर्व अब केवल पारंपरिक पारिवारिक दायरे तक सीमित न रहकर सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और मानवीय संबंधों की भावना को भी अभिव्यक्त करता है। अलग-अलग समुदायों के लोग एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त करने के लिए राखी को माध्यम बनाते हैं। सैनिकों को राखी भेजना हो या विभिन्न समुदायों के बीच राखी के माध्यम से भाईचारे का संदेश देना—ये पहल बताती हैं कि रक्षा और अपनत्व की भावना किसी धर्म, जाति या समुदाय की सीमा में बंधी नहीं है।

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते; वे विचार भी होते हैं और भावनाएँ भी। आज का रक्षाबंधन हमें सिखाता है कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है; रिश्ते केवल खून से नहीं, भावना से भी बनते हैं; प्रकृति, समाज और देश भी हमारी जिम्मेदारी हैं; और महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है।

यही कारण है कि रक्षाबंधन का आधुनिक स्वरूप परंपरा को नकारता नहीं, बल्कि उसके मूल भाव को और व्यापक बनाता है। राखी का धागा आज भी वही है, लेकिन उसके अर्थ का विस्तार हो गया है। अब यह केवल भाई की कलाई पर बंधा धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समानता, सहयोग और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक मानवीय और दार्शनिक दृष्टिकोण है—जो हमें बताता है कि प्रेम, समर्पण, समानता और पारस्परिक सम्मान से ही रिश्ते मजबूत होते हैं और समाज टिकाऊ बनता है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

संपादकीय

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलत- इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है। ईश्वर हर बच्चे की रचना उसके विशिष्ट गुण के साथ करता है। जरूरी नहीं है कि इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले हर छात्र की रुचि इंजीनियरिंग में ही हो। कोई छात्र मानविकीय संकाय की प्रतिभा हो सकता है। इंजीनियरिंग, उसकी रुचि व मन का विषय नहीं हो सकता, जिसके चलते वो पूरे मनोयोग से इस पाठ्यक्रम से साम्य नहीं बैठा पाता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

– रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन

(रक्षाबंधन (28 अगस्त) पर विशेष)

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में 'गुरु महापूर्णिमा', दक्षिण भारत में 'नारियल पूर्णिमा' तथा नेपाल में इसे 'जनेऊ पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

विचार मंथन

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

लेखक – डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दर्शाता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है। भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

सोना 1,60,300 रुपए तो चांदी 2,41,306 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 637 रुपये चढ़कर 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1,668 रुपए महंगी होकर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं में मजबूती दर्ज की गई, जहां सोना 0.71 फीसदी बढ़कर 4,686 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.67 फीसदी चढ़कर 69 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट झेलने के बाद, सोने में अब फिर से मजबूती लौटी है। बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बयान पर है। इसके साथ ही, अमेरिका में लगातार 65वें महीने 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई महंगाई दर और ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत सोने की आगे की चाल तय करेंगे। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव (जैसे होर्मुज से जुड़ी घटना) की स्थिति में निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ती है और कीमतों को सहारा मिलता है। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद, कई बाजार विश्लेषकों को सोने में आगे और तेजी की उम्मीद है। कुछ एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि इस साल सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर सकता है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, जो 1979 के बाद सबसे मजबूत तेजी वाला दौर था। वहीं चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मजबूत मांग और करेंसी में बदलाव के कारण चांदी, जो 2023-24 में लगभग 78,600 रुपए प्रति किलोग्राम थी, वह अब बढ़कर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

पुष्प ब्रांड को सेबी की हरी झंडी, जल्द आएगा आईपीओ

इंदौर से शुरू हुई कंपनी मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की ओएफएस लाएगी

नई दिल्ली।

पैकेज्ड खाद्य कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसकी जानकारी बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को दी। इंदौर में 1974 में स्थापित, पुष्प ब्रांड ने एक क्षेत्रीय मसाला कारोबार से बढ़कर अब पुष्प और मुनीमजी ब्रांड के तहत काम करने वाली एक व्यापक पैकेड खाद्य कंपनी का रूप ले लिया है। कंपनी शुद्ध एवं मिश्रित मसाले, साबुत मसाले, हींग और अन्य उत्पाद पेश करती है, जिनकी 31 मार्च, 2026 तक 312 श्रेणियां थीं। सेबी को जून में दस्तावेज दाखिल करने के बाद 27 अगस्त को मिली इस मंजूरी के बाद, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पुष्प कड़क चाय पेश करने की भी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक, पुष्प ब्रांड का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,016 वितरकों और 3.68 लाख से अधिक खुदरा बिक्री केंद्रों तक फैला हुआ था।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गुरुवार को शुरुआती बढ़त के बाद अब मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे पहले एने विडिया के मजबूत बिक्री अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा था। जापान का`` निक्कई 225 करीब 0.13 फीसदी गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में महंगाई से जुड़े एक प्रमुख संकेतक के फेडरल रिजर्व के लक्ष्य से ऊपर बने रहने के बाद इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 539, निफ्टी 116 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु, पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त रही।

आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लाएगी 3,750 करोड़ का आईपीओ

स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,750 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और भविष्य के विस्तार के लिए करेगी। यह प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का एक निर्गम होगा, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुछ मौजूदा कर्जों के पुनर्भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इस पूंजी जुटाने से अपने बही-खाते को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा खंड में अपने विस्तार को गति देना है। सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा के पास 31 मार्च, 2026 तक 3.60 गीगावाट की परिचालन क्षमता है, जबकि 4.04 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जो कंपनी की विकास क्षमता को दर्शाती हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

डीएचएल एक्सप्रेस के लिए भारत वैश्विक वृद्धि का इंजन

जीडीपी से डेढ़ गुना तेज रफ्तार का लक्ष्य

नई दिल्ली।

लॉजिस्टिक दिग्गज डीएचएल एक्सप्रेस भारत को अपने वैश्विक कारोबार के लिए वृद्धि का प्रमुख केंद्र मानती है। कंपनी ने घोषणा की है कि भारत में उसका कामकाज वैश्विक स्तर पर डीएचएल के अन्य परिचालनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। रुपये में उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएचएल अगले दशक में देश में अपने 1 अरब यूरो के निवेश को बनाए रखने की योजना बना रही है, जो भारत के आर्थिक भविष्य में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी का हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में लगभग 1.5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि पिछले 5 से 10 वर्षों में कंपनी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) आम तौर पर इस जीडीपी बेंचमार्क से 1-2 फीसदी अधिक रही है। यह प्रदर्शन डीएचएल समूह के हालिया नतीजों में भी झलकता है, जहां जून 2026 को समाप्त तिमाही में समूह का परिचालन मुनाफा 30 फीसदी बढ़कर 1.9 अरब यूरो रहा। रुपये के मुकाबले डॉलर और यूरो में लगातार उतार-चढ़ाव कंपनी के लिए एक चुनौती रहा है। पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले रुपये में 8.2 फीसदी और हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद 4.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए, डीएचएल ने 1 अगस्त से करेंसी इफेक्ट्स इंडेक्स शुरू किया है। सुब्रमण्यन ने भारत के भविष्य पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर देश की चर्चा बहुत सकारात्मक रूप से हो रही है। उन्होंने इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश को रेखांकित किया, जो डीएचएल के लॉजिस्टिक कारोबार के लिए महत्वपूर्ण विकास के अवसर पैदा करते हैं।

कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

ईरान-ओमान समझौता बना कीमतों पर दबाव का कारण

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है।

इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एसजेवीएन के बीच 50 मेगावॉट एफडीआरई समझौता

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 50 मेगावॉट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना के लिए 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। इस करार से देश में नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति को नई गति मिलेगी। यह समझौता 4.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से हुआ है और 25 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इस परियोजना में सौर ऊर्जा को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में मासिक आधार पर 90 प्रतिशत उपलब्धता के साथ स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह पीपीए कंपनी की एफडीआरई परियोजनाओं का बड़ा खंड बनाने की रणनीति का एक अहम हिस्सा है और एसजेवीएन के साथ साझेदारी को और मजबूत करता है। इस नए समझौते के साथ, जुनिपर ग्रीन एनर्जी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब बढ़कर 11,216 मेगावॉट हो गई है, जो इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फार्मा कंपनियों पर अनोखा संकट, कमाई बढ़ी पर मुनाफा घटा!

अमेरिका में रेव्लिमिड की कम बिक्री बनी वजह, डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसे दिग्गजों पर ज़्यादा असर

मुंबई।

आमतौर पर किसी कंपनी की कमाई घटने के पीछे कमजोर बिक्री या बढ़ता खर्च होता है, लेकिन भारतीय दवा कंपनियों के साथ इस समय एक अजीब स्थिति बनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उनकी कुल कमाई बढ़ी, कामकाजी मुनाफा भी सुधरा, लेकिन शुद्ध मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इस अप्रत्याशित गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका में कैंसर की एक महत्वपूर्ण दवा, जेनेरिक रेव्लिमिड (लेनालिडोमाइड) की कम बिक्री और कीमतों में आई भारी गिरावट है। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियाँ इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसके दायरे में आने वाली दवा कंपनियों की कुल कमाई में 14.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई और उनका कामकाजी मुनाफा भी 6.9 फीसदी बढ़ा। इसके बावजूद, इन कंपनियों का मुनाफा 4.1 फीसदी घट गया, जिसकी एक बड़ी वजह अमेरिका में जेनेरिक रेव्लिमिड की कम बिक्री और कीमतों में आई तेज गिरावट रही।

रेव्लिमिड, जिसका मूल नाम लेनालिडोमाइड है, कैंसर, खासकर मल्टीपल मायलोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक महत्वपूर्ण दवा है।

एक समय में भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए कमाई का बड़ा जरिया बनी यह दवा अब उनके मुनाफे पर भारी पड़ रही है। पेटेंट विवादों के बाद हुए समझौतों के तहत, भारतीय जेनेरिक कंपनियों को मार्च 2022 के बाद अमेरिका में सीमित मात्रा में जेनेरिक लेनालिडोमाइड बेचने की अनुमति मिली थी। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी कंपनियों के लिए जनवरी 2026 तक बिक्री की मात्रा पर सीमाएं तय थीं।

बाजार में सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण रेव्लिमिड की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे भारतीय कंपनियों ने इस दवा से शानदार कमाई की। लेकिन जनवरी 2026 के करीब आते ही तस्वीर बदल गई। जैसे-जैसे बिक्री की मात्रा पर लगी सीमाएं खत्म हुईं और अधिक जेनेरिक कंपनियां बाजार में आईं, प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी। ज्यादा आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी माहौल के चलते रेव्लिमिड के जेनेरिक वर्जन की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा। डॉ. रेड्डीज के मार्च तिमाही के नतीजों में भी लेनालिडोमाइड की कीमतों में आई गिरावट का साफ असर दिखा था।

1 सितंबर से महंगी होंगी टाटा और हुंडई की गाड़ियां

इनपुट लागत में बढ़ोतरी बनी वजह, पेट्रोल-डीजल से लेकर ईवी तक सभी सेगमेंट प्रभावित

नई दिल्ली।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम आदमी से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा झटका कार प्रेमियों को लगा है। टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के बजट पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने 1 सितंबर से अपने पूरे कार और एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में 25,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पेट्रोल, डीजल (आईसीई) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सभी सेगमेंट पर लागू होगी। कंपनी ने कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। यह चालू तिमाही में टाटा की दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले जून में भी दाम बढ़ाए गए थे। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी 19 अगस्त को घोषणा की थी कि वह सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। हुंडई ने भी इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत के साथ-साथ जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं को इसका कारण बताया है। इससे पहले, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भी अगस्त में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर चुकी है। लागत के बढ़ते दबाव के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में कीमतों में वृद्धि का यह सिलसिला जारी है।

आईपीओ बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती के बाद तेज उछाल

अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती अब खत्म होती दिख रही है। प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल है। अगस्त महीने में कंपनियों के सार्वजनिक निर्गमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आने वाले समय में एनएसई, फोनपे, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ेप्टो और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ आने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों में उत्साह है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक और भू-राजनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता है, तो 2026 की दूसरी छमाही में भी आईपीओ बाजार की यह रफ्तार बनी रह सकती है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद है, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी। इसके विपरीत साल के पहले छह महीनों में आईपीओ लाने की गति काफी धीमी रही थी, और मई में तो एक भी आईपीओ जारी नहीं हुआ था। एक ब्रोकर कंपनी के मुतो बिक पहली छमाही में बाजार की गिरावट, शुल्क को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक परिस्थितियों ने कंपनियों की आईपीओ लाने की क्षमता और निवेशकों की भावना (सेंटिमेंट) दोनों को प्रभावित किया। अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता ने उस दौरान बाजार पर दबाव बनाया था। आईपीओ के लिए कंपनियों की एक लंबी कतार लगी हुई है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 239 कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इनमें से 164 कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ की मंजूरी मिल चुकी है, जिनके जरिए करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है। वहीं, 75 कंपनियों ने सेबी के पास मसौदा पत्र (ड्राफ्ट पेपर) दाखिल किए हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके जरिए लगभग 2.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स शुरू किया

अब कंपनियां भविष्य की बिजली लागत का करेंगी बेहतर प्रबंधन

नई दिल्ली

भारत के कमोडिटी बाजार में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। सोना, चांदी और कच्चे तेल की तर्ज पर अब देश में बिजली की कीमतों पर भी वायदा कारोबार संभव हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स की शुरुआत की है, जिससे बिजली उत्पादक और उपभोक्ता कंपनियां भविष्य की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। यह पहल बिजली को सिर्फ एक उपभोग्य वस्तु नहीं, बल्कि एक ट्रेडबल एसेट बनाती है। बिजली अन्य कमोडिटी से काफी अलग है क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर आसानी से स्टोर नहीं किया जा सकता। जितनी बिजली बनती है, उसका लगभग तुरंत उपयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि मांग और आपूर्ति में मामूली अंतर भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव ला सकता है। मौसम, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का उत्पादन, कोयले और गैस की उपलब्धता, बिजली प्लांट का बंद होना और ट्रांसमिशन से जुड़ी दिक्कतें जैसे कई कारक बिजली की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। भारत में अधिकांश बिजली (करीब 85-88 फीसदी) लंबे समय के खरीद समझौतों के तहत बेची जाती है, जबकि शेष 12-15 फीसदी बिजली शॉर्ट-टर्म मार्केट में पावर एक्सचेंजों पर ट्रेड होती है। यहीं मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, जो वायदा बाजार के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं। इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स में बिजली की कोई वास्तविक डिलीवरी नहीं होती; इनका निपटान नकद में किया जाता है। सौदों का निपटान भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) के डे-अहेड मार्केट की औसत मासिक कीमत के आधार पर होता है। एमसीएक्स पर एक ट्रेडिंग यूनिट 50 मेगावाट घंटा है और मौजूदा महीने के साथ अगले तीन महीनों तक के सौदे उपलब्ध होते हैं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स का सबसे बड़ा फायदा उन उद्योगों और कंपनियों को मिलेगा जिनकी परिचालन लागत में बिजली का बड़ा हिस्सा होता है, जैसे बड़ी फैक्ट्रियां, बिजली उत्पादक और वितरक कंपनियां। वे भविष्य में बिजली की कीमतों में संभावित वृद्धि या गिरावट के जोखिम को कम करने के लिए इन सौदों का उपयोग कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं।' मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है।'

भारत दौरे की वजह से न्यूज़ीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च ,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें।' उन्होंने कहा, 'हमने जानबूझकर टिकट की कीमतें पिछले सीजन जितनी ही रखी हैं, और हमारे क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करके एक टिकट 30 डॉलर से कम में मिल रहा है। हमें खुशी है कि फैंस अपनी सीट पक्की करने के लिए जल्दी आ रहे हैं और जनरल पब्लिक सेल में अभी 11 दिन बाकी हैं। हमारा संदेश यही है कि मौका न चूकें। क्रिचली ने 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ वेन्यू टिकट बंडल को भी हाईलाइट किया, जो उन सपोर्टर्स के लिए अतिरिक्त वैल्यू विकल्प है और जो कई मैच देखने का प्लान बना रहे हैं। जनरल पब्लिक सेल 7 सितंबर से शुरू होने वाली है। हालांकि, फैंस अभी भी क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करके एक्सक्लूसिव प्री-सेल का फायदा उठा सकते हैं, जो टिकटों पर 15 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देता है।

सीपीएल 2026

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद,एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही।

ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

35 पर सारे प्लेयर ऑलआउट

7 खिलाड़ी जीरो पर निपटे...

क्रिकेट के मैदान में इस टीम का हो गया तमाशा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. वुमेंस कॉन्टिनेंटल कप 2026 में ऑस्ट्रिया की महिला टीम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. ग्वेर्नसे के खिलाफ एक दिन पहले 85 रन की शानदार जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रिया की टीम अगले ही मुकाबले में तुर्की के सामने सिर्फ 35 रन पर ऑलआउट हो गई. टीम के सात बल्लेबाजों का खाता तक नहीं खुला. बारिश की वजह से मुकाबला 10-10 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन मैच भी ज्यादा देर नहीं चला. तुर्की ने सिर्फ 82 गेंद में मुकाबला खत्म कर दिया और 27 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज 3की. बुखारेस्ट के मोआरा व्लासी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में तुर्की की कप्तान कुब्रा कनावरची ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

20 रन की साझेदारी के बाद फिर शुरू हुआ विकेटों का सिलसिला

सलामी बल्लेबाज कोमाती रेड्डी और शीतल भारद्वाज ने पारी को संभालने की कोशिश की. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 20 रन जोड़े. लेकिन तुर्की की कप्तान कनावरची ने रेड्डी को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी. रेड्डी ने 19 गेंदों पर आठ रन बनाए. इसके बाद तुर्की की गेंदबाजों ने ऑस्ट्रिया के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया. कनावरची ने मल्लिका पाथिरानाहेलागे को आउट किया, जबकि उसी ओवर में प्रविथा गणेशन भी पवेलियन लौट गई. अगले ओवर में हाजर सेलिक ने तो कहर ही बरपा दिया.

कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका

ऑस्ट्रिया की पारी 8.1 ओवर में 35 रन पर सिमट गई. शीतल भारद्वाज रन आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रहीं. ऑस्ट्रिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 10 रन तक नहीं पहुंच सका. रेड्डी के आठ रन टीम की पारी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा. यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रिया का अब तक का सबसे कम स्कोर भी बन गया. यानी एक दिन पहले ग्वेर्नसे के खिलाफ 85 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम अगले ही मुकाबले में 35 रन पर ढेर हो गई.

तुर्की ने 5.3 ओवर में खत्म कर दिया मैच

तुर्की को जीत के लिए सिर्फ 36 रन का लक्ष्य मिला था. लक्ष्य छोटा था, लेकिन टीम को भी शुरुआत में झटका लगा. कप्तान कनावरची सिर्फ चार गेंद खेलकर बिना खाता खोले मल्लिका की गेंद पर आउट हो गईं. इसके बाद मल्लिका ने अपनी अगली ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज सुजान तुरान को भी पवेलियन भेज दिया. हालांकि इसके बाद जेहरा एंडर और मेलिके बायराम ने कोई और मौका नहीं दिया. दोनों ने मिलकर तुर्की को 5.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया. एंडर ने 12 गेंदों पर 13 रन बनाए, जबकि बायराम ने 11 रन की पारी खेली. बायराम ने अपनी पारी में मुकाबले का इकलौता छक्का भी लगाया. तुर्की ने आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया और उसके पास 27 गेंदें बाकी थीं.

ऑस्ट्रिया की कप्तान प्रिया साबू पारी के पहले ही ओवर में एजगी नूर किलिक की गेंद पर बोल्ड हो गई. वह सिर्फ दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई. दूसरे ओवर में आशी चोपला रन आउट हो गई. वह भी दो गेंद खेलकर डक पर आउट हुई. इसके बाद तीसरे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज हादिया सिद्दीकी को हाजर सेलिक ने बोल्ड कर दिया.

कोलंबो टेस्ट

सोनल दिनुशा ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

कोलंबो,एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाते हुए बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। सोनल दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सभी चार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं इससे भी बड़ी बात यह है कि वह भारत के खिलाफ ऐसा करने वाले पहले श्रीलंकाई हैं। इससे पहले श्रीलंका के कुमार संगकारा और दिमुथ करुणारत्ने ने यह उपलब्धि हासिल की है। लेकिन भारत के खिलाफ यह पहला मौका है। संगकारा ने दो बार दो मैचों की टेस्ट सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया है। संगकारा ने बांग्लादेश के खिलाफ 2013 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 2014 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। करुणारत्ने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब इस लिस्ट में सोनल का नाम शामिल हो गया है जिन्होंने भारत के खिलाफ ऐसा किया।

श्रीलंका ने हारते मैच में पलटी बाजी, कोलंबो टेस्ट में भारत ड्रॉ के लिए मजबूर

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले गए सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर पाई और यह मैच ड्रॉ पर छूटा। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज को 1-0 से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान लेंगे संन्यास

2026 के बाद क्रिकेट को कहेंगे अलविदा

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने 2026 सीजन के अंत में सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। 39 वर्षीय एल्गर ने परिवार को अधिक समय देने को अपने फैसले की मुख्य वजह बताया और दो दशक से ज्यादा लंबे करियर को अलविदा कहने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा।

अब परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, 'अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।'

86 टेस्ट में बनाए 5347 रन

डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे। 50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन

बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की यू19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है। बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम में यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव है।

रक्षाबन्धन एक हिन्दू त्यौहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है।

रक्षाबंधन अटूट विश्वास का बंधन

हम सभी सामाजिक प्राणी है, जो एक-दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्वेच्छा से रिश्तों के बंधन में बंधते है। ये बंधन हमारी स्वतंत्रता का हनन करने वाले बंधन नहीं अपितु प्रेम के बंधन होते हैं, जिसे हम जिंदादिली से जीते और स्वीकारते हैं।
हमारे समाज में हर रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह आदमी और औरत के भी कई रिश्ते हो सकते हैं, मगर उन रिश्तों में सबसे प्यार रिश्ता भाई-बहन का रिश्ता होता है। यह रिश्ता हर रिश्ते से मीठा और प्यारा रिश्ता होता है क्योंकि इस रिश्ते में मिठास भरता है भाई-बहन का एक-दूसरे के प्रति प्रेम व विश्वास। यह विश्वास प्रतीक रूप में भले ही रेशम की कच्ची डोर से बँधा होता है परंतु दोनों के मन की भावनाएँ प्रेम की एक पक्की डोर से बँधी रहती है, जो रिश्तों की हर डोर से मजबूत डोर होती है। यही प्रेम रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी लाड़ली बहन के पास खीच लाता है। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि हमारी परंपराओं का प्रतीक है, जो आज भी हमें अपने परिवार व संस्कारों से जोड़े रखे हैं। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का दिन है, जिसमें भाई हर दुख-तकलीफ में अपनी बहन का साथ निभाने का वचन देता है। यही वह वचन है, जो आज के दौर में भी भाई-बहन को विश्वास के बँधन से जोड़े हुए है।
यही वह त्योहार है, जिसे बहन अपने घर अर्थात अपने मायके में मनाती है। तभी तो हर रक्षाबंधन पर बहन जितनी बेसब्री से अपने भाई के आने का इंतजार करती है उतनी ही शिद्दत से भाई भी अपनी बहन से मिलकर उसका हालचाल जानने को उसके पास खिंचा चला आता है और भाई और बहन का मिलन होता है, तब सारे गिले-शिकवे दूर होकर माहौल में बस हँसी-ठिठौली के स्वर ही गुँजायमान होते हैं, जो खुशियों का पर्याय होते हैं। आप भी इस त्योहार को प्यार के साथ बनाएँ तथा इस दिन अपनी बहन को उसकी खुशियाँ उपहारस्वरूप दें। याद रखें यह रिश्ता, जितना मजबूत और प्यारा रिश्ता है उतना ही कमजोर भी इसलिए रिश्ते की इस डोर को सदैव मजबूती से थामे रखें।

सात वचन से बँधी सात राखियाँ

यह भारत में ही संभव है कि एक महीन रेशम डोरी से दिल की अनंत गहराइयों में छुपा प्यार अभिव्यक्त हो सकें। भाई और बहन के अनमोल रिश्ते को समर्पित यह त्योहार मन में उमंग की सुरीली घंटियाँ बजा देता है। यूँ भी सावन मास सौन्दर्य का भीना मौसम माना गया है। यह मौसम साज-श्रृंगार और प्यार-अनुराग की कलाभिव्यक्तियों से आपुरित होता है। यही वजह है कि कलाई पर बँधने वाली राखी का सौन्दर्य रिश्ते की सादगी पर जीत जाता है। इस मोहक मनभावन त्योहार पर इस बार बाँधें कुछ ऐसी राखियों को जो हर भाई-बहन के जीवन जीने का अंदाज बदल दें - यह राखी है प्यार, विश्वास, साथ, मुस्कान, सम्मान, स्वतंत्रता और क्षमा की।

प्यार की राखी- यह राखी सलमा-सितारें और मोतियों से नहीं सजी है। यह राखी, अपने मन के आँगन में खिलने वाले प्यार के मासूम फूल से बनी है। इसे बाँधने और बँधाने की यही शर्त है कि बहन और भाई दोनों यह कसम खाए कि उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा। हर मौसम, हर समय, हर परिस्थिति में उनके प्यार का फूल तरोताजा रहेगा। चाहे बहन पराए आँगन की तुलसी बन जाए, चाहे रूनझुन पायल छनकाती दुल्हन, भाई ले आए। रिश्तों का सौन्दर्य और सादगी बनी रहे, बची रहे। दिल की गहराई में बसा प्यार निरंतर बढ़ता रहे, फलता-फूलता रहे। यह राखी इस मंगल त्योहार पर यही कसम चाहती है। दोनों के बीच महकते प्यार का फूल पैसों की तपिश से कभी ना मुरझा पाए।

विश्वास की राखी - यह राखी बड़ी महीन लेकिन मजबूत डोरी से बनी है। इस राखी की यही शर्त है कि विश्वास की रेशम डोर दुनिया के ताने-बाने में कभी ना उलझ पाए। यानी हर हाल में भाई का बहन के प्रति और बहन का भाई के प्रति विश्वास बरकरार रहे। इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि दोनों एक-दूसरे के प्रति विश्वास को टूटने नहीं देंगे। अकारण एकदूजे पर अविश्वास की काली परत चढ़ने नहीं देंगे। अगर किसी एक से विश्वास की दीवार चटकती भी है तो उसकी परिस्थिति को उदार मन से समझने का प्रयास करेंगे। इस राखी को बाँधते हुए कसम लें कि एकदूजे का विश्वास बनेंगेऔर उसे संजोए रखेंगे।

साथ की राखी - चाहे सारी दुनिया तुम्हारे विरुद्ध हो तुम्हारा भाई हमेशा तुम्हारे साथ है। यह अटूट सहारा देते शब्द सच्चे मन से हर बहन के अन्तर्मन में बैठे होने चाहिए। उसका यह भाव कि मेरा भाई है ना, और भाई का यह अहसास कि मेरी बहन सब संभाल लेगी,हर हाल में कायम रहे यही इस राखी को बाँधने की कोमल शर्त है। इस दुनिया में माँ और पिता के बाद भाई ही तो सच्चा निस्वार्थ साथ दे सकता है। देश का हर भाई अपनी बहन के साथ रहे एक अहसास बन कर, एक विश्वास बन कर तभी इस राखी की सार्थकता है।

रेशम डोरी में गूँथा प्यार

- छत की सीढ़ियों पर रूठकर बैठी एक नन्ही बहना। उसके इस रूठने से सबसे ज्यादा व्यथित अगर कोई है तो वह है उसका भाई। भोजन की थाली लेकर उसके पास जाने वाला पहला व्यक्ति होता है, उसका भाई।
- स्कूल से अपनी बहन को लेकर आता एक छोटा-सा भाई। भाई के छोटे लेकिन सुरक्षित हाथों में जब बहन का कोमल हाथ आता है तब देखने योग्य होता है, भाई के चेहरे से झलकता दायित्व बोध, उठते हुए कदमों में बरती जाने वाली सजगता और कच्ची-कच्ची परेशान आँखें। घर पर जो बहन भाई से ठुनकी-ठुनकी रहती होगी, बीच राह पर वही भोली-सी हिरनी हो जाती है।
- बच्चों का एक झुंड। खेल में मशगूल। तभी सबको लगी प्यास। भाई ने हमेशा की तरह छोटी बहन को आदेश दिया। नन्हे हाथों में जग और गिलास पकड़े टेढ़ी-मेढ़ी चाल से धीरे-धीरे आती है बहन और...और... धड़ाम!! सबके सामने भाई को मिली फटकार। बहन ने कोहनी छुपाते हुए, आँसुओं को रोकते हुए कहा - भाई ने नहीं भेजा था, मैं खुद गई थी पानी लेने।
- कक्षा पहली की नन्ही छात्रा अनुष्का को प्रिंसिपल ने ऑफिस में बुलाकर कहा - तुम्हारा छोटा भाई आशु क्लास में सो गया है उसे अपनी क्लास में ले जाओ...! अनुष्का की गोद में सोया है आशू और वह बोर्ड पर से सवाल उतार रही है।
- दूसरी की छात्रा श्‍रुति रोते हुए अपने बड़े भाई श्रेयस के पास पहुँची। कक्षा के बच्चे उसके नाम का मजाक उड़ाते हैं। उसे सूती कपड़ा कहते हैं। तीसरी कक्षा के बहादुर भाई ने कहा - छुट्टी के बाद सबके नाम बताना, सबको ठीक कर दूँगा। श्‍रुति आश्वस्त है अब। छुट्टी होने पर श्रेयस ने रोक लिया सब चिढ़ाने वाले बच्चों को। पहले तो बस्ते से धमाधम मारा-पीटी, फिर सब पर स्याही छिड़ककर बहन का हाथ पकड़कर भाग आया भाई। बहन खुश है, भाई ने बदला ले लिया। कल की कल देखेंगे।
- पहली बार कॉलेज जा रही थी बहन। भाई ने बाइक पर बैठाया और रास्ते में कहा - तू कब बड़ी हो गई मुझे तो वहीं दो चोटी वाली बस्ता घसीटकर चलने वाली और चॉक खाने वाली याद है। इतनी जल्दी तू बड़ी हो गई, पता ही नहीं चला।
- बहन बिदा हो रही थी लेकिन भाई धर्मशाला जल्दी खाली करने की चिंता में व्यंजनों के कढ़ाव - तपेले आदि उठा-उठा कर रख रहा था। बहन ने सुबकते हुए भाई को याद किया। भाई ने सब्जी-दाल से सने हाथों से ही बहन को गले लगा लिया।

बहन ने अपनी कीमती साड़ी को आज तक ड्रायक्लीन नहीं करवाया। वह कहती है, जब भी उस साड़ी पर सब्जी के धब्बे देखती हूँ। भाई का वह अस्त-व्यस्त रूप याद आ जाता है , मेरी शादी में कितना काम किया था भाई ने। भाई और बहन का रिश्ता मिश्री की तरह मीठा और मखमल की तरह मुलायम होता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के इसी पावन रिश्ते को समर्पित है। इसी त्योहार पर इस रिश्ते की मोहक अनुभूति को सघनता से अभिव्यक्त किया जाता है।
भारत में यदि आज भी संवेदना, अनुभूति, आत्मीयता, आस्था और अनुराग बरकरार है तो इसकी पृष्ठभूमि में इन त्योहारों का बहुत बड़ा योगदान है। जो लंबी डगर पर चिलचिलाती प्रचंड धूप में हरे-भरे वृक्ष के समान खड़े हैं। जिसकी घनी छाँव में कुछ लम्हें बैठकर व्यक्ति संघर्ष पथ पर उभर आए स्वेद बिंदुओं को सुखा सके और फिर एक शुभ मुस्कान को चेहरे पर सजाकर चल पड़े जिंदगी की कठिन राहों पर, जूझने के लिए।
रक्षाबंधन के शुभ पर्व पर बहनें अपने भाई से यह वचन चाहती हैं कि आने वाले दिनों में किसी बहन के तन से वस्त्र न खींचा जाए फिर कोई बहन दहेज के लिए जिंदा न जलाई जाए, फिर किसी बहन का अपहरण ना हो और फिर किसी बहन के चेहरे पर तेजाब न फेंका जाए। यह त्योहार तभी सही मायनों में खूबसूरत होगा जब बहन का सम्मान और भाई का चरित्र दोनों कायम रहे। यह रेशमी धागा सिर्फ धागा नहीं है। राखी की इस महीन डोरी में विश्वास, सहारा और प्यार गुंफित हैं और कलाई पर बँधकर यह डोरी प्रतिदान में भी यही तीन अनुभूतियाँ चाहती हैं। पैसा, उपहार, आभूषण, कपड़े तो कभी भी, किसी भी समय लिए-दिए जा सकते हैं लेकिन इन तीन मनोभावों के लेन-देन का तो यही एक पर्व है - रक्षाबंधन!

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान हाईकोर्ट में जजों का विवाद: जज संजीव ने हाईकोर्ट सीजेआई को दिया नोटिस

–सूर्यकांत ने कहा– इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। जस्टिस शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को चिट्ठी लिखी है। इसमें जस्टिस संजीव प्रकाश पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाना चाहिए।

जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखे तीन अलग-अलग पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश के अधीन गंभीर प्रशासनिक अनियमितताएं होने और चुनिंदा मामलों को सूचीबद्ध किए जाने का आरोप लगाया है। देश की सर्वोच्च अदालतों के जजों के बीच इस विवाद ने एक पुराने मामले का याद ताजा कर दी है। उस विवाद में एक जज की गिरफ्तारी तक की नौबत आ गई थी। मामला 2016 का है। साल 2016 में न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के बीच अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक मामला मद्रास हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस सीएस कर्णन से जुड़ा था। उन्होंने तत्कालीन सीजेआई टीएस ठाकुर की ओर से अपने तबादले की सिफारिश को ही रोकने का आदेश जारी कर दिया था। दरअसल, जस्टिस कर्णन का तबादला मद्रास हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई थी। 12 फरवरी 2016 को उन्हें इस संबंध में प्रस्ताव मिला, लेकिन जस्टिस कर्णन इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने 15 फरवरी को एक आदेश जारी किया था इसमें उन्होंने सीजेआई की ओर से उनके तबादले की सिफारिश पर ही रोक लगा दी।

यह मामला इसलिए असाधारण था क्योंकि एक हाईकोर्ट के मौजूदा जज ने देश के प्रधान न्यायाधीश के प्रशासनिक फैसले पर ही सवाल खड़ा कर दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने सीजेआई से इस तबादले की वजह बताने को कहा और इसके लिए लिखित जवाब मांगा था। जस्टिस कर्णन ने अपने आदेश में तत्कालीन सीजेआई से कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में दखल न दिया जाए। उन्होंने 1993 के उस ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें जजों के तबादले को जनहित और न्याय प्रशासन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जोड़ा गया था।

जस्टिस कर्णन और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव अगले साल और बढ़ गया। 2017 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई जेएस खेहर और दूसरे जजों के खिलाफ भी आदेश जारी किए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सात जजों को पांच साल की सश्रम कैद की सजा सुनाने तक का आदेश दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया। उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू हुई। मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए छह महीने की जेल की सजा सुनाई। यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में बेहद असाधारण फैसला था। जस्टिस कर्णन उस समय पद पर रहते हुए जेल की सजा पाने वाले पहले हाईकोर्ट जज बने। गिरफ्तारी से पहले ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और उन्होंने करीब छह महीने जेल में बिताए।

नेपाल बाढ़ : भारत का हरसंभव सहयोग, 130 से अधिक भारतीयों से संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ से व्यापक तबाही मची है, इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और कई लापता हैं। इस संकट की घड़ी में भारत सरकार ने राहत एवं बचाव अभियान तेज किया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने पुष्टि की है कि नेपाल में करीब 130–132 भारतीय नागरिक लापता हैं, जिससे संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि भारत की राष्ट्रीय राहत टीमें पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं और खोज एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने आपदा को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबरें हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल की संबंधित एजेंसियां मिलकर प्रभावित लोगों का पता लगाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने में जुटी हैं। भारत नेपाल सरकार के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री तथा सहायता पहुंचाई जा रही है। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने जोर दिया कि नेपाल भारत का मित्र राष्ट्र है, और दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भाइयों जैसे संबंध हैं। भारत संकट के हर क्षण में नेपाल के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराता रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य लापता लोगों का पता लगाना, प्रभावितों को सुरक्षित निकालना और जीवन बचाना है, जिसके लिए दोनों देशों की टीमें अथक प्रयास कर रही हैं।

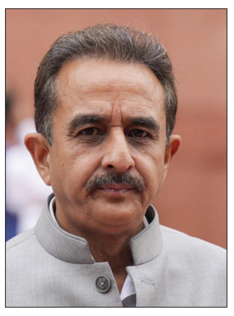

दिल्ली दंगे : उमर खालिद–शरजील मास्टरमाइंड, पुलिस का हाईकोर्ट में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया है। पुलिस ने अदालत में अपना जवाब दाखिल कर इन दोनों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध किया। पिछली सुनवाई में, 31 जुलाई को, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस से जवाब दाखिल करने को कहा था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने बताया कि इमाम और खालिद ही दिल्ली दंगों के मुख्य योजनाकार थे। पुलिस का दावा है कि उनके पास दोनों आरोपियों के खिलाफ दंगों की योजना बनाने, लोगों को संगठित करने और हिंसा में रणनीतिक भूमिका निभाने से जुड़े अहम सबूत हैं। पुलिस ने तर्क दिया कि उनकी नई जमानत याचिकाएं अपने आप में गैरकानूनी और अदालत को गुमराह करने वाली हैं। पुलिस ने अदालत को बताया कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ सह–आरोपियों को जमानत दे दी थी, लेकिन खालिद और इमाम को यह कहकर जमानत देने से इंकार किया था कि दिल्ली दंगों में उनकी भूमिका अलग थी। उस समय, सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इस केस में यूएपीए की धारा 43डी(5) लागू होती है, जिसमें जमानत के लिए सख्त शर्तें होती हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में फिर भड़की हिंसा, चार लोगों की मौत

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। इम्फाल–तामेंगलॉन्ग रोड के पास स्थित नागा गांवों में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने अचानक गोलीबारी कर दी। इस अंधाधुंध फायरिंग में चार आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के बाद एक ग्रामीण के लापता होने की भी सूचना है। जानकारी के मुताबिक, वारदात सुबह करीब 8:30 बजे मकुई आशांग और थानम्बा नागा गांवों के बीच हुई। यह इलाका आईटी रोड के किनारे बसे नागा गांवों के लिए आवाजाही का प्रमुख मार्ग माना जाता है। गोलीबारी के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और दोनों तरफ से रुक–रुककर भारी फायरिंग होने की खबर सामने आई। मृतकों की पहचान टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई, मरियाकडीबाउ विजुनमाई, जापौ एमके और अनिल विजुनमाई के रूप में हुई है। टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई राइट पाथ स्कूल (टी खुलेन) के संस्थापक और प्रधानाचार्य थे। मरियाकडीबाउ विजुनमाई और अनिल विजुनमाई मकुई यूथ क्लब के कार्यकारी सदस्य थे, जबकि जापौ एमके थोंगलांग अकुत्पा के छात्र नेता थे। हमले में गैकामंग रिंगकांगमाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, चावांगकिनिंग विलेज अथॉरिटी के अध्यक्ष विसोबाउ चारेनामाई के घटना के बाद से लापता होने की जानकारी मिली है। उनकी तलाश में सुरक्षा बलों ने आसपास के जंगलों और इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया। घायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है।

नेपाल में फंसे लोगों की जानकारी लेने सरकार ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने नेपाल के रसुवा जिले में आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर नेपाल की यात्रा कर रहे राज्य के लोगों की जानकारी और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि नेपाल की यात्रा पर गए राजस्थान के किसी भी निवासी के संबंध में जानकारी या सहायता के लिए परिजन राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के टोल–फ्री नंबर 1070 और 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 0141–2851960, 0141–2385776, 0141–2385777, 0141–2227296, 0141–2927392 और 0141–2227603 पर भी संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने कहा है कि संबंधित जानकारी आईपी नंबर 28888 या ई–मेल के माध्यम से भी साझा की जा सकती है।

महुआ मोइत्रा के समर्थन में और विपक्षी सांसद, स्पीकर से जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के समर्थन में दो और विपक्षी सांसद सामने आए हैं। कांग्रेस के के. सुरेश और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर मोइत्रा के साथ बंगाल में 14 अगस्त को देर रात सर्किट हाउस खाली करने के लिए कथित तौर पर कहने की घटना की जांच विशेषाधिकार समिति से करने की मांग की है। इसके पहले समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के के. राधाकृष्णन भी लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर मामले की जांच और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। टीएमसी सांसद मोइत्रा ने नादिया के जिलाधिकारी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ स्वयं भी विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

बंगाल में वोट चोरी के आरोप: मतदाता सूची से हटाए 91 प्रतिशत नाम बहाल

-कांग्रेस ने पीएम मोदी और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान 27 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे। अब चुनाव आयोग द्वारा निपटाए गए मामलों के आंकड़े सामने आए हैं, जिससे पता चला है कि करीब 91 प्रतिशत दावे सही मिले और उनके नाम वापस मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं। इस खुलासे के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव चोरी का गंभीर आरोप लगाया है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, न्यायाधिकरणों ने अब तक कुल 82,782 अपीलों का निपटारा किया है। इसमें से 75,443 (लगभग 91प्रतिशत) नाम मतदाता सूची में बहाल किए गए हैं, जबकि केवल 7,339 (8.86 प्रतिशत) लोगों के दावे खारिज हुए हैं।

कांग्रेस ने हमलाबार होकर लिखा, पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी और ज्ञानेश कुमार ने मिलकर एसआईआर कराया और चुनाव चोरी किया। अब इसके सबूत सामने आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले नाम हटाए गए और चुनाव के बाद बहाल किए गए, जो मोदी और ज्ञानेश कुमार के वोट चोरी सिस्टम का हिस्सा है, जिससे लोगों से उनके मत का अधिकार छीना जा रहा है। कांग्रेस ने दो महीने पहले पश्चिम बंगाल की एक सरकारी बिल्डिंग में 4,000 ईवीएम के जलने की घटना का हवाला देकर कहा कि ये सभी मामले भयंकर वोट चोरी की ओर इशारा करते हैं।

कांग्रेस सांसद ईशा खान चौधरी ने आरटीआई जवाब का उल्लेख कर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 27.28 लाख लोगों को अयोग्य घोषित किया था, लेकिन कुल 38.10 लाख अपीलें दायर की गईं, यानी हटाए गए नामों से 10 लाख से अधिक अपीलें। सांसद ने सवाल उठाया कि क्या ये अतिरिक्त अपीलें उन मतदाताओं को हटाने के लिए थीं जो इस साल के विधानसभा चुनाव में पहले ही मतदान कर चुके थे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि 91 प्रतिशत नामों की बहाली इस बात का प्रमाण है कि शुरुआत में योग्य और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए थे, जिससे नागरिक डर और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं और सरकारी योजनाओं के लाभ या रोजगार से वंचित हो रहे हैं।

गंडक नदी में फिर बढ़ी हलचल, उत्तर प्रदेश और बिहार में फिर अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल में हालिया जल प्रलय के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में पैदा हुई चिंताएं अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। गंडक नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है, जिसके चलते दोनों राज्यों को फिर से सतर्क रहने को कहा गया है। पहले गंडक नदी का जलस्तर तेजी से घट रहा था और वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से भी पानी का बहाव कम हो गया था, जिससे कुछ राहत मिली थी। उस समय नेपाल में बाढ़ के बाद बिहार के सीमावर्ती इलाकों और पूर्वी उत्तर प्रदेश को हाई अलर्ट पर रखा गया था। हालांकि, यह राहत अल्पकालिक साबित हुई है, क्योंकि देवघाट क्षेत्र में देर रात हुई बारिश के कारण वॉटर लेवल एक बार फिर बढ़ना शुरू हो गया है। इस वृद्धि का सटीक असर कितना होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

पूर्व में, वाल्मीकिनगर गंडक बैराज में पानी का बहाव घटकर 81 हजार क्यूसेक पर आ गया था। एक वजह यह भी बताई गई थी कि नेपाल की त्रिशूली नदी का पानी नारायणी नदी के जरिए आगे बढ़ा है, जिससे गंडक नदी पर दबाव में कमी आई थी। हालांकि, अब ताजा खतरे को देखते हुए अधिकारी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर बने हुए हैं। गंडक नदी नेपाल से निकलकर भारतीय मैदानी इलाकों तक पानी लाती है, इसलिए ऊपरी हिस्से में बाढ़ जैसी स्थिति निचले हिस्सों के जिलों के लिए बड़ी चिंता का कारण बनती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्थिति और नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की थी। उन्होंने कहा था कि जिन सीमावर्ती इलाकों में इसका असर पड़ने की आशंका है, वहां स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा राहत बल को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

नेपाल में जल प्रलय से गंडक नदी में बाढ़ की आशंका को देखते हुए बिहार में सतर्कता बढ़ा दी गई थी। राज्य के आठ जिलों, जिनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर शामिल हैं, के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया था। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और बेतिया में राष्ट्रीय आपदा राहत बल और सशस्त्र सीमा बल की बटालियनें तैनात की गई हैं। उत्तर प्रदेश में भी अधिकारी अलर्ट मोड पर थे। निचले इलाकों को देर रात खाली करा लिया गया था। मुख्यमंत्री ने महराजगंज, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर सहित आसपास के जिलों को तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

उत्तरप्रदेश में स्कूलों की बदहाली दिखाने पर हो रहे मामले दर्ज व गिरफ़्तारियां

–जेन–अल्फा स्कूल की अलग–अलग समस्याओं को लेकर उठा रहे हैं आवाज़

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और देशभर में जेन–ज़ी के प्रदर्शनों के बाद देश के अलग–अलग हिस्सों से जेन अल्फ़ा के सड़कों पर उतरने की तस्वीरें सामने आ रही हैं। जेन अल्फ़ा 2010 के आसपास और उसके बाद पैदा हुई पीढ़ी है। बीते एक महीने में यह पीढ़ी जगह–जगह प्रदर्शन करती नजर आ रही है। वह भी केवल एक या दो राज्यों में नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई राज्यों से ऐसे मामले सामने आए जिनमें जेन अल्फा ने अपने स्कूल की समस्याओं को लेकर आवाज़ उठाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसी की शिकायत स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, तो किसी की स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, कोई मिड–डे मील की गुणवत्ता पर सवाल उठाता नज़र आया तो कोई स्कूल तक पहुंचाने वाली सड़क की ख़राब हालत के खिलाफ़ बोलता नजर आया। उत्तर प्रदेश जो कि देश की सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है, वहां से भी ऐसे कई मामले सामने आए। अब राज्य के कई स्कूलों की बदहाली दिखाने वाले कई कंटेट क्रिएटरों और यूट्यूबर्स पर कार्रवाई की बातें सामने आ रही हैं। इनमें से कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने इन पर सरकारी काम में बाधा डालने और बच्चों की निजता भंग करने जैसे आरोप लगाए हैं, जबकि जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज गिरफ्तारियां की जा रही हैं उनका आरोप है कि यूपी सरकारी अव्यस्था उजागर करने की उन्हें सजा दे रही है।

मैं जेल जाने के लिए अमेरिका से भारत आया हूं: अभिजीत

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके, जो महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों में स्कूल ठीक करो अभियान चला रहे हैं, ने अपने खिलाफ दर्ज हुए एफआईआर को लेकर एक बेबाक बयान दिया है। दीपके ने कहा है कि वह जेल जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अमेरिका से इसी तैयारी के साथ आए थे कि उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक वह बाहर हैं, उन्हें लगता है कि यह समय उन्हें लीज पर मिला हुआ है।दीपके ने एक चर्चा के दौरान कहा कि स्कूल ठीक करो अभियान के लिए यदि उन्हें जेल भेजा जाता है तो वह इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। उन्होंने एफआईआर दर्ज होने के संदर्भ में कहा, करें एफआईआर, भेज दो जेल। मैं तो अमेरिका से यह सोचकर आया था कि जेल जा रहा हूं। मैं तो मानसिक रूप से तैयार हूं। यह मुझे जो बाहर मिल रहा है समय मैं तो समझ रहा हूं कि मुझे लीज पर मिला है। मैं तो अमेरिका से जेल जाने के लिए तैयार होकर ही आया था। इनको हमारे ऊपर जितनी एफआईआर करनी है करने दो, मुझे कोई चिंता नहीं है। जेल भेजेंगे चला जाऊंगा।सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने स्कूलों में एंट्री बैन करने के आदेशों की तुलना डेड बॉडी छिपाने जैसी हरकत से की। उन्होंने कहा, यह क्या बात हुई कि हम स्कूल में जा रहे हैं, जहां हम गंदे टॉयलेट दिखा रहे हैं, वह नहीं दिखा सकते। जहां हम बेंच नहीं हैं, उसकी फोटो नहीं डाल सकते। जहां शिक्षक नहीं हैं, उसका वीडियो नहीं डाल सकते। आप नहीं चाहते कि सच बाहर आए, किस बात का शर्म है आपको। अभिजीत दीपके से यह भी पूछा गया कि वह भाजपा शासित राज्यों में अभियान चला रहे हैं, लेकिन पंजाब (आम आदमी पार्टी शासित) में क्यों नहीं जा रहे हैं। इस पर दीपके ने स्पष्ट किया कि वह पंजाब, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी जाएंगे, लेकिन पहले वह अपने राज्य और अपने आसपास के क्षेत्र में अभियान चला रहे हैं, जहां वह रहते हैं। दीपके ने कहा, पंजाब भी जाएंगे हम। पंजाब, कर्नाटक और तेलंगाना सब जगह जाएंगे।

मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने को तैयार

-तमिलनाडु के वित्त मंत्री की रिश्वत वाली टिप्पणी पर मचा सियासी घमासान

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन मैरी विल्सन की हालिया रिश्वत वाली टिप्पणी से राजनीतिक घमासान मच गया है। डीएमके और बीजेपी ने राज्य में टीवीके के नेतृत्व वाली विजय सरकार से मांग की है कि उनके बयान की जांच कराई जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें कैबिनेट से हटाया जाए। राज्य विधानसभा में बोलते हुए विल्सन ने दावा किया कि डीएमके सरकार के दौरान उन्हें चेन्नई में अपने संस्थानों से जुड़ी मंजूरी के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को भारी रकम देनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जहां राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के जी अरुणराज ने विल्सन का बचाव करते हुए उन्हें व्हिसलब्लोअर बताया। वहीं डीएमके ने विल्सन की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। पार्टी नेता अंबिल महेश पोय्यामोझी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पोय्यामोझी ने कहा कि विधानसभा में किसी मंत्री का यह कहना कि उन्होंने रिश्वत दी एक गंभीर गलती है। डीएमके नेता ने कहा कि चूंकि वे रिश्वत देने की घटना के प्रत्यक्ष गवाह होने का दावा करते हैं, इसलिए मैं डीवीएसी से अनुरोध करता हूं कि वे तुरंत उनकी जांच करें।

विल्सन ने पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी को भी चुनौती दी कि वे इस मामले की जांच की मांग करें। टी नगर में ग्लोबल नाम की जगह पर कथित तौर पर किए गए भुगतान का ज़िक्र किया, विल्सन ने कहा कि वह यह बताने के लिए तैयार हैं कि उनसे कितनी रकम का भुगतान करवाया गया था। उन्होंने सदन में कहा कि मैं बता सकता हूं कि अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए आपको कितनी रकम मिली थी।

क्या बीजेपी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी होगा फेरबदल?

–अभी काउंसिल में पीएम मोदी समेत 69 सदस्य, 12 पद अभी भी खाली

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी का संगठनात्मक बदलाव अब पूरा हो गया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ ही, राजनीतिक ध्यान अब मोदी सरकार पर केंद्रित हो गया है कि क्या पार्टी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी कोई बड़ा फेरबदल होगा। अभी काउंसिल में पीएम समेत 69 सदस्य हैं। संविधान के तहत सदस्यों की संख्या 81 हो सकती है यानी 12 पद अभी भी खाली हैं।

सूत्रों के मुताबिक इन बदलावों पर 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों का असर दिखेगा। हालांकि, सिर्फ राजनीतिक वजहें ही अहम नहीं होंगी, क्योंकि लीडरशिप उन मंत्रियों का बोझ भी कम करना चाह सकती है जिनके पास कई विभाग हैं। बीजेपी अब कई अहम विधानसभा चुनावों और उनके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। नई टीम में कई नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जो युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने और चुनावों पर ज़्यादा ध्यान देने का संकेत है। अब सरकार में भी ऐसे ही बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हाल ही में तीन बदलाव हुए हैं। पेपर लीक को लेकर युवाओं के विरोध के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री का पद छोड़ दिया। अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने पर इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्टी में नई भूमिका निभाने वाले नेताओं की बारी आ सकती है। इनमें वे राज्यमंत्री शामिल हैं जिन्हें संगठन में काम सौंपा गया है। हाल ही में हर्ष मल्होत्रा और पंकज चौधरी को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख बनाया गया है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि संभावित फेरबदल में चुनावी जरूरतों, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, उम्र, कामकाज और बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत को ध्यान में रखे जाने की उम्मीद है। बीजेपी की नई टीम में सबसे अहम नामों में से एक पीयूष गोयल हैं, जिन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। गोयल अभी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं, इसलिए बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत के हिसाब से उनकी नई संगठनात्मक जिम्मेदारी काफी अहम है। गोयल अकेले ऐसे बड़े राजनीतिक चेहरे नहीं हैं जिन्हें नई भूमिका दी गई है। बीजेपी की सबसे जानी-मानी राष्ट्रीय नेताओं में से एक और पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी की भी पार्टी संगठन में वापसी हुई है। बीजेपी की राष्ट्रीय चुनाव प्रचार मशीनरी के साथ उनके लंबे जुड़ाव और पार्टी में उनके कद को देखते हुए, उनका शामिल होना राजनीतिक रूप से काफी अहम है।

बीजेपी ने इस अटकलबाज़ी पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पार्टी आम तौर पर एक व्यक्ति-एक भूमिका के नियम का पालन करती है, जिन नेताओं के नाम मंत्री बनने की अटकलों में थे, उन्हें इसके बजाय संगठन में जिम्मेदारी दी गईं जैसे स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, सतीश पूनिया और तरुण चुघ।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बड़ा हादसा- इस्लामाबाद के शीर्ष अस्पताल पीआईएमएस में लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बुधवार को एक सरकारी अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में आग लगी। इसके कारण 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह जानकारी डॉनकी रिपोर्ट के अनुसार है। यह घटना राजधानी के सबसे बड़े और अच्छी सुविधाओं वाले सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। जियो न्यूज ने बताया कि आग लगने की घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने डॉनअखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 बच्चे थे। उन्होंने कहा, हो सकता है कि रात में कुछ बच्चों को छुट्टी दे दी गई हो, इसलिए अभी हताहतों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती। घटना के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मालूम होती है। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है, लेकिन कूलिंग प्रोसेस में कुछ समय लगेगा। वहीं, रेस्क्यू अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने के बाद की वजह से आग लगी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और वार्ड में धुआं भर गया। घटना की वजह और जांच के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की है। प्रशासन के अनुसार, समिति आग लगने के असली कारण का पता लगाएगी और यह भी जांच करेगी कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। इसके साथ ही कई अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई- जेलेंस्की हुए खुश, भारत का आभार जताते हुए क्या बोले

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्ट्रपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत: दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात; क्या जहाजों की आवाजाही पर बनी सहमति

दुबई, एजेंसी। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने मंगलवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। यह मुलाकात तेहरान में हुई। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को संभालने की व्यवस्था पर बात की। इसके लिए एक ढांचा तैयार करने पर चर्चा हुई। ईरान और ओमान इस संकरे जलडमरूमध्य के दो अलग-अलग किनारों पर स्थित हैं। दोनों देशों ने एक साझा बयान जारी किया। बयान में प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी दी गई। इसमें संयुक्त अस्थायी नौवहन गलियाराबनाने की बात है। इसके साथ ही दोनों देश जलमार्ग से बारूदी सुरंगें हटाने के लिए मिलकर काम करेंगे। बयान में कहा गया कि ईरान और ओमान स्थायी जहाज मार्ग बनाने के लिए तकनीकी वार्ता जारी रखेंगे। जलडमरूमध्य का भविष्य में प्रशासन कैसे होगा, इस पर भी दोनों देश एक समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे पहले दुनिया में व्यापार होने वाले कुल तेल का करीब पांचवां हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था। यह अभी साफ नहीं है कि अमेरिका इस उभरते हुए समझौते को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह ओमान को धमकी दी थी।

युद्ध बढ़ेगा तो भूख भी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संघर्षों के कारण पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने की अपील की है। भारत ने चेताया कि ऊर्जा, उर्वरक, समुद्री परिवहन और कृषि व्यापार में रुकावटें वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर आयात पर निर्भर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से जुड़ी परिस्थितियों को खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुरक्षित समुद्री कॉरिडोर और जहाजों के सत्यापन की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है।

संघर्षों का असर अब युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं : भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा कि आजकल के संघर्षों का असर केवल लड़ाई वाली जगहों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दूर-दूर तक फैलता है। ऊर्जा बाजार, उर्वरक की आपूर्ति, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था और कृषि व्यापार में रुकावटों ने दिखाया है कि क्षेत्रीय संघर्ष किस तरह दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।

विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा असर : सुरक्षा परिषद में फूड अंडर फायर- ग्लोबल और लोकल फूड संकट को कम करने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर हुई खुली बहस में पी. हरीश ने कहा कि जो विकासशील देश खाद्य आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्हें इन रुकावटों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ता है। परिषद की पहली प्राथमिकता संघर्ष से होने वाले मानवीय संकट को कम करना होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना किसी रुकावट के मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा देनी होगी और संघर्ष-रोधी इंतजामों में मदद करनी होगी।

प्रतिबंधों से मानवीय सहायता बाधित न हो : पी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके उठाए गए कदम, जैसे प्रतिबंध, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में रुकावट न डालें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत और खाद्य-सुरक्षित समाज का निर्माण मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र का विकास तंत्र और रोम स्थित एजेंसियां सहायता करती हैं, न कि सुरक्षा परिषद।

भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का किया जिक्र : हरीश ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के जरिए भारत न केवल अपनी खाद्य सुरक्षा मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार देता है। वहीं, कार्यक्रम के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती बढ़ी है।

मिलेट्स से लेकर जलवायु-अनुकूल खेती तक भारत का जोर : हरीश ने कहा कि 2023 में भारत की ओर से 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' यानी 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' को बढ़ावा दिए जाने से जलवायु-अनुकूल और पोषक तत्वों से भरपूर फसलों की ओर दुनिया का ध्यान गया। उन्होंने इसे विविध और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल खेती के तरीकों से भारत न केवल खाद्य-सुरक्षित बना हुआ है, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम योगदान दे रहा है।

होर्मुज, काला सागर और लाल सागर का हरीश ने नहीं लिया नाम : हरीश ने वाणिज्यिक जहाजरानी और समुद्री व्यापार मार्गों में रुकावटों से खाद्य सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरों का व्यापक रूप से जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य, काला सागर और लाल सागर में जारी तीन संघर्षों का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले इन तीनों संघर्षों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का असर काला सागर के जरिए होने वाले अनाज और ऊर्जा के निर्यात पर पड़ रहा है, जो यूक्रेन और रूस दोनों से होता है।

होर्मुज में उर्वरक और तेल आपूर्ति पर संकट : गुटेरेस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से और उर्वरक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से को संभालता है। वहां लगे प्रतिबंधों और मार्गों के बंद होने से कीमतें बढ़ गई हैं और उपलब्धता बहुत कम हो गई है। लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों से भोजन और अन्य सामानों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए और खतरा पैदा हो रहा है। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक सुरक्षित कॉरिडोर के जरिए होर्मुज से उर्वरक और अनाज की आवाजाही सुनिश्चित करने के व्यावहारिक तरीके सुझाए हैं।

मंजूरी में मिलेगी छूट-सेमीकंडक्टर फैक्टरी लगाना होगा आसान, जापान दौरे पर पीयूष गोयल की बड़ी घोषणाएं क्या

टोक्यों, एजेंसी। जापानी कंपनियों के लिए भारत में सेमीकंडक्टर जैसे हाईटेक कारखाने लगाना अब पहले से आसान होने जा रहा है। विदेश से मंगाई जाने वाली खास मशीनों और उपकरणों के लिए जहां बीआईएस मानक लागू हैं, वहां प्रमाणन में लगने वाला समय घटाने के लिए सरकार नया ढांचा तैयार कर रही है। इसके तहत उद्योग, कंपनी, उत्पाद या किसी खास परियोजना के स्तर पर छूट देने का विकल्प रखा जाएगा। यह एलान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापानी उद्योगपतियों के सामने किया। उन्होंने बताया कि बीआईएस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को इस पर काम शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। वक्त बचा तो पैसा बचा असल फायदा वक्त का है और वक्त का सीधा मतलब पैसा है। सेमीकंडक्टर का एक कारखाना अरबों डॉलर का होता है और उसमें लगने वाली मशीनें एक तय क्रम में आती हैं। एक जरूरी मशीन की मंजूरी या आपूर्ति अटकती है तो पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और कारखाना शुरू होने की तारीख आगे खिसक सकती है। कारखाना समय पर चालू हुआ तो निर्माण के दौर की नौकरियों से लेकर संयंत्र चलाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों तक रोजगार के अवसर भी जल्दी बनेंगे। सबसे अहम, भारत में चिप का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी। 150 अरब डॉलर की

मांग इसलिए जापान अहम भारत में सेमीकंडक्टर की मांग 2032 तक बढ़कर करीब 150 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में दुनिया के बड़े सेमीकंडक्टर बाजारों में भी शामिल होने जा रहा है। यही वजह है कि सरकार जापान को सिर्फ निवेशक ही नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला के साझेदार के तौर पर देख रही है। इससे भारत की कारोबारी साख बनेगी।साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रस्तावित छूट केवल तैयार उत्पादों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारत में सेमीकंडक्टर मशीनरी, उपकरण, सामग्री और दूसरे जरूरी कलपुर्जों को विकसित करने की संभावना बढ़ेगी। सरकार सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े निवेश के लिए सेमीकॉन 1.0 और सेमीकॉन 2.0 के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। सेमीकॉन 1.0 के तहत अब तक 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली है और इनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है।

भारत-कनाडा संबंध, सीतारमण टोरंटो पहुंचीं, पहले आर्थिक-वित्तीय संवाद में किन मुद्दों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को टोरंटो पहुंचीं। वह चार दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान वह पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगी। वहां जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगी। टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी ने उनका स्वागत किया। सीतारमण कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन के साथ पहली आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी।

किन मुद्दों पर होगी बात : एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संवाद में दोनों देश कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इनमें बड़ी आर्थिक स्थिति से जुड़े बदलाव शामिल हैं। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग भी इसमें शामिल है। दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर भी चर्चा में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा प्राथमिकताओं पर भी बात होगी।

इस संवाद का एक और मकसद भारत और कनाडा के बीच नए सिरे से मजबूत हो रही आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करना है। सीतारमण बड़े कारोबारों के प्रमुखों के साथ निवेश को लेकर एक बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इसमें ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में कारोबार से कारोबार के बीच संबंध बढ़ाने की कोशिश होगी। निवेश के नए मौके तलाशे जाएंगे। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय की कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी बात होगी। इसमें गिफ्ट सिटी-आईएफएससी में निवेश के मौके भी शामिल हैं। एक दूसरी व्यापारिक बैठक में सीतारमण कनाडा के बड़े कारोबारियों से बात करेंगी। इसमें भारत और कनाडा के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा होगी। लंबे समय के निवेश पर भी बात होगी। वित्तीय क्षेत्र की बढ़त पर भी चर्चा होगी। भारतीय सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी इन चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। इससे वित्तीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ज्यादा सहयोग के रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा।

कैरिबियाई सागर में अमेरिका ने एक और नाव को बनाया निशाना, चार की मौत, ट्रंप के ड्रग्स अभियान पर क्यों उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कैरिबियाई सागर में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक संदिग्ध नाव हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गए। यह घटना लैटिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के दौरान हुई है। इस ताजा हमले के साथ ही अमेरिकी सेना के नावों पर किए गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 227 हो गई है। ये हमले 68 बार किए गए हैं और इनकी शुरुआत तब हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने लगभग एक साल पहले उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया, जिन्हें वे %नार्को-टेररिस्ट(नशीले पदार्थों के तस्कर और आतंकवादी) कहते हैं।

सेना ने क्या कहा : पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरिबियाई सागर में हमलों के बारे में सेना के ज्यादातर बयानों की तरह ही,अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने तस्करी के जाने-पहचाने रास्तों पर कथित ड्रग तस्करों को निशाना बनाया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि नाव से ड्रग्स की तस्करी हो रही थी। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक चलती हुई नाव जैसी चीज की तस्वीर दिखी, जिसके बाद एक चमक (फ्लैश) दिखाई दी।

इससे पहले कब हुआ था हमला : मंगलवार को हुआ यह हमला, पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की ओर से एक नाव पर किए गए हमले के ठीक दो दिन बाद हुआ, जिसमें ड्रग्स की तस्करी के आरोपी दो लोग मारे गए थे। यह कार्रवाई कथित तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान में दो महीने से के ज्यादा अंतराल के बाद की गई थी। ट्रंप प्रशासन कई लैटिन अमेरिकी देशों में जमीन पर भी अपना हमलावर अभियान चलाने के लिए सहयोगी देशों के साथ समझौते करने की कोशिश कर रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा की यात्रा की। इस दौरान कहा कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अमेरिका उनकी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चला सके। ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते पर पहुंचने से इनकार किया। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के मिशन शुरू किए थे। आलोचकों ने नावों पर किए गए हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि कई जानलेवा ओवरडोज के लिए जिम्मेदार फेंटानिल की तस्करी आमतौर पर मेक्सिको से जमीन के रास्ते अमेरिका में की जाती है।

न्यूयार्क में तिलक से स्वागत-मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा बड़ा आयोजन : मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन्स' यानी 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिल : आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे।

25 अगस्त से शुरू हुआ तीन देशों का दौरा : इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है।

आतंकी पन्नू को फिर मिली जान से मारने की धमकी, एफबीआई और कनाडाई पुलिस ने किया सतर्क, यात्रा को लेकर कही यह बात

अल्बानी, एजेंसी। एक खालिस्तानी आतंकी ने मंगलवार को कहा कि एफबीआई और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी है कि उनके जान को खतरा है। वहीं,भारत के एक व्यक्ति को 2023 में उनके खिलाफ हत्या की साजिश रचने के लिए इस साल के अंत में सजा सुनाई जाएगी।

एफबीआई एजेंट ने क्या चेतावनी दी है : सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि पिछले गुरुवार को उनसे मिलने आए एफबीआई एजेंटों ने उन्हें चेतावनी दी थी कि जब तक खतरा टल नहीं जाता, तब तक उन्हें यात्रा नहीं करनी चाहिए। वहीं, अगर वे यात्रा करते हैं, तो उन्हें अपनी योजनाओं के बारे में एजेंसी को पहले से बताना होगा।

उन्होंने बताया कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने मंगलवार को उन्हें फोन पर चेतावनी दी थी, हालांकि किसी भी कानून लागू करने वाली एजेंसी ने उस साजिश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जिसका पता चला था। दोनों एजेंसियों से टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला।

क्या है ड्यूटी टू वॉर्न : पन्नू, जो एक अमेरिकी और कैनेडियन नागरिक है। उसने कहा कि उन्हें अमेरिका के 'ड्यूटी टू वॉर्न'(चेतावनी देने का कर्तव्य) कानून के तहत चेतावनी दी गई। यह कानून अमेरिकी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश देता है कि जब उन्हें हत्या, गंभीर शारीरिक नुकसान या अपहरण के विश्वसनीय और ठोस खतरों का पता चले, ते वे संबंधित व्यक्तियों को इसकी सूचना दें। यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत के निखिल गुप्ता, जिन्होंने फरवरी में साजिश के आरोपों में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसे 2023 में पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में 20 नवंबर को सजा होनी है।

निखिल गुप्ता को क्या सजा मिल सकती है : एफबीआई ने कहा है कि गुप्ता को हत्या करने का निर्देश भारत सरकार के एक कर्मचारी ने दिया था। जब गुप्ता ने कोशिश की, तो अनजाने में उसने एक अंडरकवर लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर से बात की जो एक हिटमैन(किराये का हत्यारा) बनकर बात कर रहा था। फेडरल सजा के नियमों के अनुसार, गुप्ता को कम से कम 20 साल जेल में बिताने पड़ सकते हैं।

पन्नू, जो एक अलग सिख देश बनाने की वकालत करते हैं। उन्होंने मंगलवार को एक फोन इंटरव्यू में कहा मुझे उनकी जान से मारने की धमकियों से डर नहीं लगता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का प्रशासन अमेरिका और कनाडा की संप्रभुता के लिए खतरों को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेगा। पन्नू ने खुद को एक सिख मानवाधिकार वकील बताया है जो पंजाब को ऐसी जगह बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं जहां सभी धर्मों को समान अधिकार हों।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तक- टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

एदो, एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

युवाओं की सोच में आया बड़ा बदलाव : गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

छोटे शहरों से निकल रहे हैं नए स्टार्टअप : पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।

'शार्क टैंक' की तर्ज पर होगी स्टार्टअप प्रस्तुति श्रृंखला : गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं।

ऑनलाइन बैठकों से बढ़ेगा दोनों देशों के स्टार्टअप्स का संपर्क : गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद केवल स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मंच देना नहीं, बल्कि शुरुआती प्रस्तुतियों को वास्तविक कारोबारी सहयोग में बदलना है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर अधिक कारोबारी संपर्क विकसित करें और प्रस्तुतियों से आगे बढ़कर प्रायोगिक परियोजनाओं, निवेश और बड़े स्तर पर विस्तार की दिशा में आगे बढ़ें। पीयूष गोयल ने जापान की कंपनियों और स्टार्टअप्स को भारत के साथ मिलकर काम करने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग से व्यापक स्तर पर समृद्धि और नए अवसर पैदा होंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस में ताकत नहीं है कि इन शराब के अड्डों को बंद करवा सके: पायल साकरिया

वराछा पुलिस स्टेशन के पास शराब के अड्डे पर AAP महिला मोर्चा अध्यक्ष पायल साकरिया और प्रदेश संगठन मंत्री महेश अणघण ने की जनता रेड

कहीं न कहीं हफ्ते की सिस्टम चल रही होगी, वरना इस तरह शराब कैसे बिक सकती है?: पायल साकरिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद/सूरत/गुजरात,आम आदमी पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष और सूरत मनपा की पूर्व कॉर्पोरेटर पायल साकरिया, प्रदेश संगठन मंत्री महेश अणघण सहित आम आदमी पार्टी की टीम ने आज सूरत के वराछा क्षेत्र में देशी शराब के अड्डे पर जनता रेड की। इस दौरान उन्होंने बहुत बड़ी मात्रा में देशी शराब का जखीरा पकड़ा और पुलिस को फोन करके बुलाया। इस दौरान आम आदमी पार्टी की नेता पायल साकरिया ने पकड़ी गई देशी शराब की पोटलियां दिखाकर कहा कि, यह हमारे सामने शराब की पोटलियां पड़ी हैं और बगल में स्कूल है और यह जगह पुलिस स्टेशन के पीछे के हिस्से में स्थित है और पुलिस ने हमें बहुत ही पावर के साथ कहा कि 'जाओ शराब के अड्डे पर' शराब के अड्डों को बंद करने के लिए कई साधु-संत, आम लोग, वक्ता मेहनत कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ शासकों की छत्रछाया में बेखौफ शराब बेची जा रही है। कहीं न कहीं हफ्ते की सिस्टम चल रही होगी वरना इस तरह शराब कैसे बिक सकती है? पुलिस में ताकत नहीं है कि इन शराब के अड्डों को बंद करवा सके। मैं गुजरात के गृहमंत्री से कहना चाहती हूं कि अगर सात दिनों में सूरत में बंद नहीं करवाए तो पूरा महिला मोर्चा सभी शराब के अड्डों पर रेड करेगा और शराब की थैलियां लेकर आपके कार्यालय पर पहुंचेगा। मैं खुद इन शराब की थैलियों को लेकर आपके कार्यालय पहुंचूंगी। अगर आपके पास पता नहीं है तो हमें बताइए, हम पता देंगे लेकिन आप सात दिनों में शराब के अड्डों को बंद करवाइए।

आगे आम आदमी पार्टी की नेता पायल साकरिया ने बताया कि, गृहमंत्री फांका फौजदारी करते हैं और पेपर के पन्नों पर आने के लिए और इंस्टाग्राम पर व्यू, लाइक्स आएं इसलिए रील पर रील बनाते हैं, क्या उन्हें इतने सारे शराब के अड्डे नहीं दिखाई देते होंगे? गुजरात में जितने भी लोगों को शराब के अड्डों के बारे में जानकारी पता हो, वे लोग हमें फेसबुक के मैसेंजर में मैसेज करें और अड्डों की जानकारी दें। हम साथ मिलकर शराब के अड्डे बंद हों ऐसा प्रयास करेंगे। क्योंकि जब तक नशा दूर नहीं होगा तब तक हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं रहेंगी। कई युवा इस लत में बर्बाद हो गए हैं। सूरत अपराध के मामले में पूरे देश में दूसरे नंबर पर आ गया है। अब रक्षाबंधन आ रहा है तो हम सभी लोगों को साथ मिलकर इस बुराई को खत्म करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

इस जनता रेड के दौरान AAP प्रदेश संगठन मंत्री महेश अणघण ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि गुजरात का एक-एक व्यक्ति मानता है कि शराब के अड्डे पुलिस की रहम की नजर के तहत चलते हैं। इस राज्य के गृहमंत्री ने दो-चार दिन पहले भी एक स्टेटमेंट दिया था कि, अगर किसी जगह पर शराब मिलेगी तो वहां के पीआई और पीएसआई को सस्पेंड कर दिया जाएगा।

अब देखते हैं कि इस वराछा क्षेत्र में जहां जनता और आम आदमी पार्टी की टीम द्वारा रेड की गई है, तो अब यह देखना बाकी है कि वराछा के पीआई और पीएसआई को सस्पेंड किया जाता है या फिर हर्ष संघवी की पुलिस रेड करने वाले लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करती है और साबित करती है कि ये शराब के अड्डे पुलिस की रहम की नजर के तहत चलते हैं।

'अनचाहा गर्भ धारण करना पीड़िता के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन'

अमरेली की 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 24 सप्ताह के गर्भ का गर्भपात कराने की हाईकोर्ट ने दी अनुमति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट ने अमरेली जिले की 17 वर्षीय नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को 24 सप्ताह और 5 दिन के गर्भ का गर्भपात कराने की कानूनी अनुमति दे दी है। अमरेली जिले के बाबरा पुलिस स्टेशन में दर्ज दुष्कर्म के मामले के बाद पीड़िता इस अनचाहे गर्भ को जारी नहीं रखना चाहती थी। इसलिए उसने न्याय और अपने शारीरिक अधिकारों के लिए गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता के मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए याचिका स्वीकार कर ली।

अमरेली सिविल अस्पताल के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता 24 सप्ताह और 5 दिन की गर्भवती थी। मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट राय दी कि चिकित्सकीय दृष्टि से गर्भपात सुरक्षित और संभव है। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन जीने और अपने शरीर के संबंध में स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार है। नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को अनचाहा गर्भ जारी रखने या बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से नुकसानदायक हो सकता है।

हाईकोर्ट ने अमरेली अस्पताल के अधीक्षक को तत्काल वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गठित कर पीड़िता की गर्भपात प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने का निर्देश दिया है। इस प्रक्रिया के लिए पीड़िता और उसके अभिभावक से निर्धारित शपथपत्र/बॉन्ड लिया जाएगा।

इसके अलावा, आपराधिक मामले की कानूनी जांच और आरोपी के खिलाफ वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के उद्देश्य से गर्भ के टिश्यू सैंपल सुरक्षित रखने और उन्हें बाबरा पुलिस के जांच अधिकारी को सौंपने का भी स्पष्ट आदेश दिया गया है, ताकि भविष्य में DNA जांच कराई जा सके।

अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए विशेष निर्देश दिया है कि यदि गर्भपात की प्रक्रिया के दौरान बच्चा जीवित पैदा होता है, तो अस्पताल प्रशासन उसे सर्वोत्तम नवजात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगा। यदि पीड़िता या उसका परिवार बच्चे की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है, तो किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत राज्य सरकार और संबंधित बाल संरक्षण एजेंसियां उस बच्चे की देखभाल, पालन-पोषण और संरक्षण की कानूनी जिम्मेदारी निभाएंगी।

इनपुट लागत बढ़ने से जॉब चार्ज में 15% की बढ़ोतरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, 27 अगस्त। दक्षिण गुजरात के टेक्सटाइल प्रोसेसिंग उद्योग में बढ़ती उत्पादन लागत के बीच साउथ गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन (SGTPA) ने जॉब चार्ज में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। नई दरें 7 सितंबर 2026 से डिस्पैच के समय लागू होंगी। एसोसिएशन की सामान्य बैठक बुधवार को SGTPA के सेमिनार हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष जीतेंद्र वखारिया ने की। इसमें पांडेसरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलविजय तुलसियान, मितुल मेहता, नरेंद्र जरीवाला समेत बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में दक्षिण गुजरात के टेक्सटाइल प्रोसेसिंग उद्योग की मौजूदा स्थिति और लगातार बढ़ रही उत्पादन लागत पर चर्चा की गई। एसोसिएशन के अनुसार, कोयला, रंग-रसायन, मजदूरी, बिजली और अन्य जरूरी इनपुट की लागत में लगातार इजाफा हुआ है। इससे प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए बढ़ते खर्च के बीच कारोबार को बनाए रखना मुश्किल हो रहा है।

विस्तृत चर्चा के बाद सदस्यों ने जॉब चार्ज में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी का सर्वसम्मति से फैसला लिया। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि अतिरिक्त मुनाफा कमाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि बढ़ी हुई इनपुट लागत को पूरा करने के लिए की गई है। एसोसिएशन के मुताबिक, इस निर्णय का उद्देश्य टेक्सटाइल प्रोसेसिंग इकाइयों को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाए रखना, रोजगार की सुरक्षा करना और दक्षिण गुजरात की टेक्सटाइल वैल्यू चेन की स्थिरता बनाए रखना है।

7 सितंबर से डिस्पैच पर 15% बढ़ा हुआ जॉब चार्ज लागू होगा।

स्विगी के डिलीवरी बॉय ने MBA की छात्रा के साथ की अश्लील हरकत

ऑनलाइन फूड डिलीवरी लेने गई छात्रा से छेड़छाड़ OTP मांगते समय अभद्र व्यवहार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के पॉश इलाके माने जाने वाले वस्त्रापुर स्थित प्रतिष्ठित IIM संस्थान के कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली शर्मनाक घटना सामने आई है। IIM कैंपस की हॉस्टल में रहकर MBA की पढ़ाई कर रही एक छात्रा ने ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप स्विगी के डिलीवरी बॉय पर अश्लील हरकत करने, अभद्र इशारे करने और गंदी टिप्पणियां करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। छात्रा की आधिकारिक शिकायत के आधार पर वस्त्रापुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी डिलीवरी बॉय को गिरफ्तार कर लिया।

शिकायत में दर्ज जानकारी के अनुसार, गत 15 अगस्त को शाम के समय IIM की छात्रा ने स्विगी ऐप के जरिए एक रेस्टोरेंट से फूड ऑर्डर किया था। रात करीब 8 बजे एक मोबाइल नंबर से छात्रा को फोन आया। सामने वाले व्यक्ति ने खुद को डिलीवरी बॉय बताते हुए कहा कि वह दूसरे माले पर पहुंच गया है। इस पर छात्रा ने उसे पहले माले पर आने के लिए कहा।

जब छात्रा ऑर्डर लेने के लिए पहले माले पर सीढ़ियों के पास पहुंची, तो वहां खड़े डिलीवरी बॉय ने फूड पैकेट देने के लिए उससे OTP मांगा। OTP मांगने की आड़ में डिलीवरी बॉय ने छात्रा के शारीरिक रूप-रंग को लेकर बेहद आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियां करना शुरू कर दिया। छात्रा के आरोप के मुताबिक, डिलीवरी बॉय ने फूड पैकेट को अजीब तरीके से पकड़ रखा था और अपने कपड़े भी अनुचित तरीके से रखते हुए छात्रा की ओर अभद्र इशारे किए।

डिलीवरी बॉय के इस अचानक और आपत्तिजनक व्यवहार से घबराई छात्रा ऑर्डर लेकर तुरंत अपने कमरे की ओर भाग गई और अपनी सहेलियों को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद छात्रा के दोस्त उसके कमरे पर पहुंचे। इसके बाद पूरा मामला IIM प्रबंधन के समक्ष रखा गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए संस्थान की इंटरनल कम्प्लेंट कमेटी के सदस्य-सचिव और दोस्तों के साथ पीड़ित छात्रा वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन पहुंची और कानूनी शिकायत दर्ज कराई।

वस्त्रापुर पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद मोबाइल नंबर और डिलीवरी डिटेल्स के तकनीकी सर्विलांस के आधार पर तेजी से जांच शुरू की। पुलिस ने अहमदाबाद के वाडज इलाके में रहने वाले आरोपी डिलीवरी बॉय निपम ठक्कर को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने IIM परिसर में छात्रा के साथ अशोभनीय व्यवहार करने की बात कबूल की है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी धाराओं के तहत आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत में नासिरनगर डिमोलिशन मामले पर हंगामा

हाईकोर्ट में दी गई गारंटी के विपरीत ड्रॉ होने पर वकील प्रभावित परिवारों का विरोध-31 तारीख को हाईकोर्ट में सुनवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के नासिरनगर इलाके में डिमोलिशन से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और वैकल्पिक आवास आवंटन की प्रक्रिया के दौरान सूरत महानगरपालिका (SMC) के सेंट्रल जोन कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ। प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों के लिए आवास का ड्रॉ शुरू किए जाने से पहले ही प्रभावित लोगों और उनके वकील ने गुजरात हाईकोर्ट में दी गई गारंटी का उल्लंघन होने का गंभीर आरोप लगाते हुए प्रक्रिया रुकवा दी। हाईकोर्ट में दिए गए आश्वासन के मुताबिक जहांगीराबाद में 1-BHK मकान आवंटित करने के बजाय अन्य इलाकों में केवल एक कमरे-किचन वाले मकान दिए जाने के विरोध के चलते यह मामला एक बार फिर हाईकोर्ट पहुंच गया है।

नासिरनगर डिमोलिशन से प्रभावित कुल 69 परिवारों में से पहले चरण में 28 प्रभावित परिवारों के लिए सेंट्रल जोन कार्यालय में आवास आवंटन का ड्रॉ आयोजित किया गया था। हालांकि, ड्रॉ शुरू होते ही प्रभावित परिवारों के एडवोकेट धवल राणा ने कड़ा विरोध जताया।

उन्होंने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान मनपा प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया था कि प्रभावित परिवारों को जहांगीराबाद स्थित 'सुमन वंदन' और 'सुमन वाणी' आवास योजना में बिना किसी डाउन पेमेंट या डिपॉजिट के 1-BHK मकान आवंटित किए जाएंगे।

लेकिन अब अचानक प्रशासन भेस्तान और अडाजण एल.पी. सवाणी रोड स्थित केवल 1 कमरे-किचन वाले EWS मकानों का ड्रॉ कर रहा है। 10 से 20 सदस्यों वाले परिवार इतने छोटे मकानों में नहीं रह सकते।

उन्होंने कहा कि एफिडेविट के विपरीत हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी आगामी 31 तारीख को हाईकोर्ट के समक्ष रखी जाएगी।

दूसरी ओर, सूरत मनपा के सेंट्रल जोन के कार्यपालक इंजीनियर राजेश गांजावाला ने मनपा का पक्ष रखते हुए कहा कि अदालत के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए ही प्रभावित परिवारों को विधिवत आवास आवंटन पत्र भेजे गए थे। उन्होंने बताया कि JN-NURM और RAY योजना के तहत उपलब्ध आवासों के लिए यह ड्रॉ आयोजित किया गया था। जहां तक 'सुमन वंदन' आवास का सवाल है, वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आता है और इसके तहत किसी भी व्यक्ति को इस तरह मुफ्त में मकान देने का प्रावधान नहीं है। पालिका द्वारा जो आवास आवंटित किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह रहने योग्य और सुविधायुक्त हैं।

अब इस मामले में माननीय हाईकोर्ट आगे जो भी आदेश देगा, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल जोन कार्यालय में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और विवाद के चलते आवास आवंटन का ड्रॉ बीच में ही स्थगित करना पड़ा। प्रभावित परिवारों ने अन्य स्थानों पर आवंटित किए जा रहे मकानों को स्वीकार करने से स्पष्ट इनकार कर दिया है।

इसके परिणामस्वरूप लंबे समय से बेघर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का मामला और उलझ गया है। अब सभी की नजर आगामी दिनों में गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर टिकी है।

सूरत में संजीवकुमार ऑडिटोरियम बंद करने के फैसले से कला जगत में रोष

43 से अधिक शो रद्द होने का डर, आयोजकों ने नगर निगम के सामने रखी मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पाल इलाके में स्थित प्रसिद्ध संजीवकुमार ऑडिटोरियम को 23.41 करोड़ की लागत से बड़े पैमाने पर रिनोवेशन के लिए आगामी 1 अक्टूबर से 15 महीने तक पूरी तरह बंद रखने के सूरत महानगरपालिका के फैसले के खिलाफ शहर के नाट्य, संगीत और कला जगत में भारी नाराजगी है। त्योहारों और कार्यक्रमों के लिहाज से महत्वपूर्ण अक्टूबर से दिसंबर की सीजन में पहले से बुक किए गए 43 से अधिक नाटक और म्यूजिकल शो अचानक रद्द होने की स्थिति पैदा हो गई है। इससे नाराज इवेंट आयोजक नगर निगम कार्यालय पहुंचे और अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

आयोजकों ने स्थायी समिति के चेयरमैन के समक्ष जोरदार मांग रखी कि नानपुरा स्थित गांधी स्मृति भवन का रिनोवेशन पूरा होने और उसे जनता के लिए शुरू किए जाने तक संजीवकुमार ऑडिटोरियम को बंद न किया जाए।

आयोजकों का कहना है कि वर्ष 2019 में गांधी स्मृति भवन को रिनोवेशन के लिए बंद किया गया था, तब सभी बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संजीवकुमार ऑडिटोरियम में स्थानांतरित कर दिया गया था। अब यदि गांधी स्मृति भवन शुरू होने से पहले ही संजीवकुमार हॉल को भी 15 से 20 महीनों के लिए अचानक बंद कर दिया गया, तो पूरे सूरत शहर में बड़े कार्यक्रमों के लिए कोई सुसज्जित विकल्प नहीं बचेगा। इस स्थिति में सूरत में नाटक और संगीत से जुड़ी तमाम गतिविधियां अगले डेढ़ साल तक पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

प्रमुख इवेंट आयोजक धीरेंन शाह ने कहा कि नगर निगम की रिनोवेशन और विकास की कार्रवाई स्वागत योग्य है, लेकिन इसका उचित नियोजन होना जरूरी है। गांधी स्मृति भवन का काम अगले 2 से 3 महीनों में पूरा होने वाला है और फिलहाल संजीवकुमार ऑडिटोरियम में मानसून के दौरान होने वाली लीकेज की समस्या के लिए जरूरी अस्थायी व्यवस्था भी की जा चुकी है। ऐसे में हॉल को तुरंत बंद करने की कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लंबे समय तक नाटक और कार्यक्रम बंद रहने से दर्शक थिएटर से दूर हो जाएंगे और भविष्य में उन्हें दोबारा हॉल तक लाना मुश्किल हो सकता है।

वरिष्ठ नाट्य आयोजक वसीम जरीवाला और अनिल गांधी ने संभावित आर्थिक नुकसान को लेकर गंभीर चिंता जताई है। त्योहारों के सीजन में होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुंबई और स्थानीय कलाकारों, ऑर्केस्ट्रा टीम तथा तकनीशियनों को लाखों रुपये का एडवांस भुगतान किया जा चुका है।

यदि कार्यक्रम रद्द होते हैं, तो आयोजकों को बड़ा आर्थिक झटका लगेगा और कलाकारों की रोजी-रोटी भी प्रभावित होगी। कला क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने नगर निगम प्रशासन से चरणबद्ध योजना बनाकर कलाकारों और कला प्रेमियों के हित में व्यावहारिक निर्णय लेने की अपील की है।